संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 70
पृष्ठ 8
गुरुवार
28 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– टमाटर का ताजापन कभी ....

विचार– संभल के पीछे की नीयत....

खेल– जसप्रीत बुमराह बने टेस्ट....

संविधान का गला घोंटने वाले संविधान बचाने का ढिंढोरा पीट रहे : सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के अगले दिन परोक्ष रूप से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने का काम किया था, आज वे लोग संविधान बचाने का ठेका लेकर ढिंढोरा पीट रहे हैं। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने यहां इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 136वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर सभा को संबोधित करते हुए कहा, "संविधान की मूल प्रति में कहीं भी पंथ निरपेक्ष और समाजवादी शब्द नहीं है। कहीं भी ये दो शब्द नहीं हैं। ये शब्द तब जोड़े गए जब संसद भंग थी, न्यायपालिका के अधिकार शून्य कर दिए गए थे। लोकतंत्र पर कुठाराघात हुआ था।" योगी आदित्यनाथ ने कहा, "जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने का काम किया था, आज वे लोग ढिंढोरा पीट रहे हैं कि संविधान खतरे में है, लोकतंत्र खतरे में है। प्रश्न उठता है कि समाज इन लोगों को मूल्यांकन कब करेगा जो स्वयं लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, "इन्होंने संविधान में छेड़छाड़ करने का कुत्सित प्रयास ही नहीं किया, बल्कि लोकतंत्र को पूरी तरह से पंगु बनाने का प्रयास किया। भारतीय मनीषियों ने धर्म को उपासना का पर्याय कभी नहीं बनाया था। धर्म की बहुत विराट परिभाषा है।" मुख्यमंत्री ने कहा, "भारत का संविधान कर्तव्य, सदाचार और नैतिक मूल्यों का प्रवाह है जिस पर व्यक्ति और समाज का जीवन टिका है, वही धर्म है। भारतीय मनीषियों ने धर्म को संकीर्ण करके किसी दायरे में कभी नहीं रखा। उन्होंने कहा, "आज इन युवाओं के आदर्श कौन हों.. समाजवाद के नाम पर परिवारवाद की चाटुकारिता करने वाले? आखिर क्या कहा था राम मनोहर लोहिया ने? सच्चा समाजवादी वह है जो संपत्ति के मोह से दूर हटकर काम कर सके। क्या ये लोग (सपा के लोग) संपत्ति के बगैर रह पा रहे हैं या एक परिवार का गुलाम बनकर उनकी चाटुकारिता कर रहे हैं?"योगी आदित्यनाथ ने कहा, "आखिर जय प्रकाश नारायण, नरेंद्र देव आचार्य, डाक्टर राम मनोहर लोहिया का आदर्श कहां चला गया। देश के अंदर रामायण मेलों की शुरुआत डाक्टर राम मनोहर लोहिया ने की थी। आज युवाओं को सुभाष चंद्र बोस जैसे महान लोगों के उद्घोष के बारे में सोचना होगा। मुख्यमंत्री ने दीक्षांत समारोह में प्रसिद्ध साहित्यकार, कवि और इस विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्र कुमार विश्वास को मानद उपाधि से सम्मानित किया। उन्होंने साथ ही आठ विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए, जिनमें सात छात्राएं शामिल थीं। दीक्षांत समारोह में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आशीष कुमार चौहान विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इनके अलावा, कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल, महापौर गणेश केसरवानी सहित कई विधायक, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के इस दीक्षांत समारोह में वर्ष 2024 में उत्तीर्ण हुए कुल 144 छात्र छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की गईं।

मुर्मु चार दिवसीय दौरे पर तमिलनाडु पहुंची

चेन्नई, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बुधवार को चार दिवसीय दौरे पर तमिलनाडु पहुंची। श्रीमती मुर्मु विशेष विमान से कोयंबटूर में सुलुर हवाईअड्डे पर उतरी, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसके बाद वह पहाड़ी जिले नीलगिरी

के उदगमंडलम में राजभवन में रात्रि विश्राम के लिए रवाना हो गयी। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने वहां उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति 28 नवंबर को रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज , वेलिंगटन के संकाय एवं छात्र अधिकारियों को संबोधित करेंगी। वह 29 नवंबर को आदिवासी महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों एवं आदिवासी समुदाय के प्रमुख सदस्यों से नीलगिरी जिले के उदगमंडलम स्थित राजभवन में बातचीत करेंगी। राष्ट्रपति कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्रीमती मुर्मु 30 नवंबर को तिरुवरुर में तमिलनाडु के केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेगी।

राहुल गांधी ने फिर साधा भाजपा पर निशाना

अडानी को जेल में होना चाहिए, सरकार उन्हें बचा रही है

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी रिश्वत मामला बुधवार को संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह गूंजा, जब दो वरिष्ठ वकीलों ने अडानी समूह के अध्यक्ष के खिलाफ अमेरिकी आरोपों में छेद करने का प्रयास किया, जिसके बाद कांग्रेस और भाजपा के बीच तीखी नोकझोंक हुई। कई विपक्षी नेताओं द्वारा रिश्वत मामले पर चर्चा के लिए नोटिस दिए जाने के बाद संसद में हंगामा देखने को मिला, जिसके चलते दोनों सदनों को स्थगित कर दिया गया और अन्य सभी कामकाज निलंबित कर दिए गए। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अडानी की गिरफ्तारी के लिए अपना आह्वान दोहराया और कहा कि उद्योगपति अमेरिकी अभियोजकों द्वारा उल्लिखित आरोपों को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। लोकसभा एलओपी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि क्या आपको लगता है कि अडानी आरोप स्वीकार करेंगे? जाहिर है, वह आरोपों से इनकार करेंगे। मुद्दा यह है कि उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

छोटे–छोटे आरोपों में सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। अडानी पर संयुक्त राज्य अमेरिका में हजारों करोड़ का आरोप लगाया गया है, उन्हें जेल में होना चाहिए। सरकार उनकी सुरक्षा कर रही है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि तथ्य यह है कि दो अभियोग दायर किए गए हैं, एक न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अटॉर्नी द्वारा और दूसरा संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा। इसलिए वे स्पष्ट रूप से अमेरिकी अदालत के समक्ष ये तर्क देने के लिए स्वतंत्र हैं। मूल मुद्दा यह है कि ये अभियोग भारत के कारोबारी माहौल के संबंध में किस तरह का संदेश भेजते हैं। उन्होंने कहा कि नंबर दो, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड क्या कर रहा था? यदि अमेरिकी नियामक को अभियोग दायर करने के लिए पर्याप्त सबूत मिले हैं। यदि आप हिंडनबर्ग रिपोर्ट को याद करें, तो अडानी समूह के संबंध में मुद्दे न केवल सार्वजनिक डोमेन में थे, बल्कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी इस पर आंदोलन किया जा रहा था या फैसला सुनाया जा रहा था। तो सवाल यह है कि नियामकों को विनियमित कौन करेगा? इसलिए, इसमें बड़े मुद्दे शामिल हैं और इसीलिए हम संसद के दोनों सदनों में चर्चा की मांग कर रहे हैं।

अडानी मुद्दे पर संसद में व्यापक चर्चा जरूरी : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि अडानी समूह पर दुनिया के कई देशों में धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनका बचाव करने की बजाए उन्हें गिरफ्तार कर इस मुद्दे पर संसद में व्यापक चर्चा करानी चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह गंभीर मामला है और इस पर संसद में नियम 267 के तहत चर्चा होनी चाहिए। सदन मोदी वंदन के लिए नहीं है। लाखों करोड़ों की हेराफेरी और घूस देने वाले अडानी को गिरफ्तार कर सदन में उन पर लगे आरोपों को लेकर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए। सेबी जैसे संस्थान इन आरोपों की निष्पक्ष जाँच करें और श्री मोदी, उनकी सरकार के मंत्री, भाजपा और उसके सांसद अडानी का बचाव करना छोड़ दें। इस बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा है कि उद्योगपति अडानी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए, लेकिन उन्हें बचाया जा रहा है। सैकड़ों लोगों को मामूली आरोपों के लिए गिरफ्तार किया जा रहा है लेकिन सरकार उनको बचा रही है। श्रीमती श्रीनेत ने कहा कि मोदी सरकार एक ही उद्योगपति के एकाधिकार को बढावा दे रहे हैं। भारत ही नहीं अमेरिका, स्वीटजरलैंड, फ्रांस, आस्ट्रेलिया, इजराइल सहित दुनिया के कई देशों में अडानी समूह पर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है, लेकिन भारत सरकार उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। हर ओर से घिरे अडानी सिर्फ भारत में ही सुरक्षित हैं क्योंकि यहाँ श्री मोदी के चलते कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। जाँच एजेंसियां मूक दर्शक बनी हैं–वरना इन आरोपों के आधार पर तो अब तक उनकी गिरफ़्तारी हो जानी चाहिए थी।

प्रवक्ता ने कहा कि उद्योगपति गौतम अडानी और उनकी कंपनियों के वरिष्ठ कर्मचारियों पर लगे रिश्वतखोरी और अन्य आरोपों के बीच फिच और मूडीज जैसी रेटिंग एजेंसियों ने आज अडानी समूह की कंपनियों के लिए अपना आउटलुक बदलकर श्नकारात्मकश कर दिया है और कहा कि निकट भविष्य में अपग्रेड नहीं बल्कि और डाउनग्रेड की संभावना है जिसे देखते हुए आज सुबह बौखला कर अडानी के तंत्र ने कुछ झूठे शिगूफ़े छोड़े।

अदाणी और संभल मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा, लोकसभा-राज्यसभा स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्षी सांसदों के लगातार विरोध के बीच, लोकसभा को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया और गुरुवार, 28 नवंबर को फिर से बैठक होगी। वहीं, विपक्षी सांसदों के हंगामे के कारण संसद के उच्च सदन की कार्यवाही भी दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नारेबाजी के साथ शुरू हुई, विपक्षी सांसदों ने अडानी रिश्वत मामले और संभल हिंसा को लेकर हंगामा किया। संसद का शीतकालीन सत्र 2024 सोमवार, 25 नवंबर को शुरू हुआ, जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद परिसर में अपना पारंपरिक संबोधन दिया,

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसा

सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के 5 डॉक्टरों की मौत

कन्नौज, एजेंसी। आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे पर कन्नौज के पासा भीषण सड़क हादसा हो गया जिसमें सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के 5 डॉक्टरों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब सभी लखनऊ से एक शादी समारोह से शामिल होने के बाद वापस लौट रहे थे। हादसा बुधवार तड़के तीन बजे के आसपास हुआ। सड़क हादसे में मौत के शिकार बने डॉ. अनिरुद्ध वर्मा, डॉ. संतोष कुमार मौर्य, डॉ.जयवीर सिंह, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. नरदेव की पहचान हुई है। ये सभी डाक्टर पीजी कर रहे थे। हादसे में कार सवार एक पीजी स्टूडेंट गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कन्नौज में लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे पर एक सड़क हादसा हुआ। जिसमें सैफई मेडिकल कॉलेज के 5 पीजी स्टूडेंट की मौत हो गई तो वही एक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि सभी कार सवार लखनऊ से एक शादी समारोह से वापस सैफई जा रहे थे कि इसी दौरान रात 3:00 बजे कन्नौज के तिर्वा एरिया पर स्कार्पियो कार डिवाइडर से टकराकर दूसरे लेन पर आ गई और एक ट्रक से टकरा गई। बताते चलें कि सैफई मेडिकल कॉलेज के पांच पीजी स्टूडेंट लखनऊ में एक शादी समारोह में गए हुए थे जहां से वह वापस सैफई आ रहे थे की इसी बीच रात 3:00 बजे के आसपास कन्नौज के तिर्वा एरिया में उनकी स्कार्पियो कार डिवाइडर से टकराकर दूसरे लेने पर आ गई और सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया ।

आमंत्रण

अम्बिका प्रसाद दिव्य एवं किंजल्क स्मृति सम्मान समारोह

परिचर्चा सम्राट जगदीश किंजल्क स्मारिका
एवं विजयलक्ष्मी विभा कृत पुस्तकें 'आत्मजा ' (खंड काव्य)
एवं अपनी-अपनी भूल' (कहानी संग्रह) का लोकार्पण

1 दिसम्बर 2024 दिन रविवार

अध्यक्षता — वरिष्ठ साहित्यकार श्री श्याम विद्यार्थी, प्रयागराज
मुख्य अतिथि — स्वामी नित्यानंद नित्यानंद
विशिष्ट अतिथि — स्वामी प्रेमानंद गिरि, पठानकोट
वक्ता — आचार्य संजीव वर्मा सलिल, जबलपुर
मारूफ शाइर अनवार अब्बास नकवी, प्रयागराज
समीक्षक — डॉ० रचना निगम, बड़ौदा
वरिष्ठ साहित्यकार डॉ० विमला व्यास, प्रयागराज
एवं वरिष्ठ दोहाकार डॉ० प्रदीप चित्रांशी, प्रयागराज
कार्यक्रम संचालक — वरिष्ठ साहित्यकार डॉ० रवि मिश्रा, प्रयागराज

कार्यक्रम स्थल- धन्वन्तरी हाल , प्रथम तल , इलाहाबाद मैडिकल एसोसिएशन
1/1ए /1, स्टेनली रोड , प्रयागराज -211002 ,निकट म्योहाल चौराहा।

प्रथम सत्र - 10-30 पर स्वल्पाहार, 11 बजे से कार्यक्रम प्रारम्भ
द्वितीय सत्र - 2-30 पर भोजन, 3 से 5 कविगोष्ठी

संस्थापक एवं संपादक
विजयलक्ष्मी विभा

कार्यक्रम संयोजक
अनमोल खरे

सम्पर्क - 7355848787
9711391068

आमंत्रण

शहर समता विचार मंच,प्रयागराज

(शहर समता समाचार पत्र द्वारा संचालित)

शैल तनया स्मृति सम्मान समारोह एवं काव्यगोष्ठी

शैल तनया स्मृति सम्मान 2024

सम्मानित रचनाकार - डॉ गीता सिंह

अध्यक्षता - श्रीप्रकाश मिश्र
मुख्य अतिथि - प्रेमा राय
विशिष्ट अतिथि - डॉ ऊषा मिश्रा

बुद्धवार 4 दिसम्बर 2024 दिन में 1 बजे से
स्थान - गीता हॉस्पिटल, टैगोर टाऊन बिजली घर के पास स्थित पार्क के बगल निकट कुंदन गेस्ट हाउस टैगोर टाऊन,प्रयागराज

साहित्यिक संयोजक
रचना सक्सेना

संस्थापक /सचिव
उमेश श्रीवास्तव

जिला मजिस्ट्रेट ने नगर पालिका परिषद बेल्हा के रिक्त अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन के सम्बन्ध में दी जानकारी,

नगर पालिका परिषद बेल्हा के अध्यक्ष पद हेतु 17 दिसम्बर होगा मतदान व 19 दिसम्बर को होगी मतगणना

प्रतापगढ़। जिला मजिस्ट्रेट्र जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) संजीव रंजन ने कैम्प कार्यालय के सभागार में नगर पालिका परिषद बेल्हा के रिक्त अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन के सम्बन्ध में जानकारी देते हुये बताया कि दिनांक 28 नवम्बर से 03 दिसम्बर तक पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक नाम निर्देशन पत्रों की प्राप्ति होगी, 04 दिसम्बर को पूर्वान्ह 11 बजे से कार्य की समाप्ति तक नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जायेगी, 06 दिसम्बर को पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक अभ्यर्थियों की नाम वापसी तथा अपरान्ह 3 बजे से कार्य की समाप्ति तक प्रतीक आवंटन, 17 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक मतदान एवं 19 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे से कार्य की समाप्ति तक मतगणना होगी। उन्होंने बताया कि नगर पालिका परिषद बेल्हा में कुल 25 वार्ड, 38 मतदान केन्द्र, 110 मतदान स्थल व मतदाताओं की कुल संख्या 111119 है जिसमें पुरुष मतदाता 58459 व महिला मतदाता की संख्या 52660 है। मतदान हेतु कुल 03 जोन व

06 सेक्टर है। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा, अभ्यर्थन वापस लेने, प्रतीक आवंटन की कार्यवाही न्यायालय उप जिलाधिकारी (न्यायिक) तहसील सदर में होगी। पोलिंग पार्टियों को राजकीय इण्टर कालेज प्रतापगढ़ से रवाना किया जायेगा तथा मतपेटी को राजकीय इण्टर कालेज में बनाये गये स्ट्रांग रूम में रखा जायेगा व मतगणना राजकीय इण्टर कालेज प्रतापगढ़ में की जायेगी। नगर पालिका परिषद बेल्हा के उप निर्वाचन हेतु निर्वाचन अधिकारी जितेन्द्र पाल उपजिलाधिकारी (न्यायिक) तहसील सदर तथा सहायक निर्वाचन अधिकारी के रूप में मनीष केसरवानी सहायक अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग व डा0 अशोक कुमार वर्मा पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को बनाया गया है। नगरीय निकाय उप निर्वाचन के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों पर सभी सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेगें और निर्धारित समय सारिणी के अनुसार ही कार्यवाही की जायेगी। नगर पालिका परिषद बेल्हा के अध्यक्ष हेतु पद की आरक्षण श्रेणी अनारक्षित है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने बताया कि नगर पालिका परिषद बेल्हा के रिक्त अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु कड़े इन्तजाम किये गये है। निर्वाचन में बाधा उत्पन्न कराने वाले अराजक तत्वों को चिन्हित करके कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के कड़े इन्तजाम रहेगें। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे।

इच्छुक व्यक्ति/फर्म जब्तशुदा खाद्यान्न की 17 दिसम्बर को होनी वाली नीलामी में भाग लें,

प्रतापगढ़। उप जिलाधिकारी लालगंज ने बताया है कि आपूर्ति विभाग तहसील लालगंज के प्रवर्तन अधिकारध्पूर्ति निरीक्षक द्वारा प्रवर्तन कार्य के दौरान जब्तशुदा खाद्यान्न 30 बोरी हाथ से सिली हुई जिनमें 1799 किग्रा चावल तथा मशीन से सिली हुई 04 बोरी जिनमें 03 बोरी में 147.1 किग्रा चावल तथा 01 बोरी में 51.02 किग्रा गेहूँ को राज्य सरकार के पक्ष में जब्त करते हुये जब्तशुदा खाद्यान्न के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जब्तशुदा खाद्यान्न की गठित समिति के माध्यम से नीलामी द्वारा खाद्यान्न का निस्तारण किया जाना है। खाद्यान्न की नीलामी दिनांक 17 दिसम्बर 2024 को अपरान्ह 2 बजे तहसील सभागार लालगंज में नियत की गयी है। नीलामी में शामिल होने वाले इच्छुक व्यक्तिध्फर्म खाद्यान्न का मुआयन कर खाद्यान्न की नीलामी में भाग ले सकते हैं। नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्तिध्फर्म मण्डी समिति में पंजीकृत (थोकध्आढ़तिया वैध लाइसेन्सी) हो व फर्म जी0एस0टी0 में पंजीकृत हो। नीलामी तिथि से पूर्व दिनांक 13 दिसम्बर तक इच्छुक व्यक्तिध्फर्म कार्यालय से सम्पर्क कर आवेदन कर सकते है तथा नीलामी से सम्बन्धित अन्य जानकारी प्राप्त कर सकता है। नीलामी के दौरान अधिकतम बोली लगाने वाले व्यक्तिध्फर्म के पक्ष में नियमानुसार खाद्यान्न अवमुक्त किया जायेगा।

पराविधिक स्वंय सेवकों के चयन हेतु अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 02, 03 व 04 दिसम्बर को

प्रतापगढ़। अपर जिला जजध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार ने बताया है कि जनपद न्यायालय में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में पराविधिक स्वयं सेवक के तौर पर कार्य करने के इच्छुक अभ्यर्थियों के कुल 108 आवेदन पत्र प्राप्त हुये है। प्राप्त आवेदन पत्रों के अभ्यर्थियों का माननीय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरणध्जनपद न्यायाधीश के आदेशानुसार उनकी अध्यक्षता में गठित चयन समिति के द्वारा दिनांक 02 दिसम्बर, 03 दिसम्बर व 04 दिसम्बर को अपरान्ह 4.30 बजे जनपद न्यायालय प्रतापगढ़ के सभागार में साक्षात्कार लिया जायेगा। पराविधिक स्वयं सेवक के तौर पर कार्य करने के इच्छुक आवेदकध्अभ्यर्थी अपने आवेदन में उल्लिखित शैक्षणिक योग्यता व अन्य समस्त प्रपत्रों के मूल प्रमाण पत्र के साथ नियत तिथि को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिविल कोर्ट के कार्यालय में उपस्थित हो। अधिक जानकारी के लिये कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिविल कोर्ट प्रतापगढ़ में सम्पर्क करें।

गिरिधर मालवीय के आवास पर पहुंचे सीएम योगी, परिजनों से मिलकर जताई संवेदना

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल और महाकुंभ के कार्यों की समीक्षा और लोकार्पण करने

के लिए बुधवार को प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और पूर्व न्यायाधीश जस्टिस गिरिधर मालवीय के आवास पर पहुंचे। सीएम ने मालवीय के परिजनों से मुलाकात कर गिरिधर मालवीय के निधन पर शोक व्यक्त किया। वह करीब 15 मिनट तक मालवीय के जार्ज टाउन स्थित आवास पर रहे। उनके बेटे मनोज मालवीय से बातचीत की। इस मौके पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एआई से होगी गंगा में कस्मेटिक प्रदूषण की निगरानी

प्रयागराज। महाकुंभ के दौरान गंगा में कॉस्मेटिक व भारी धातुओं से होने वाले प्रदूषण की निगरानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिये की जाएगी और कुछ ही सेकेंड में परिणाम सामने होंगे। इसके लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के भौतिक विज्ञान विभाग में वैज्ञानिक दल का गठन किया गया है, जो जांच परिणाम मेला प्रशासन व अन्य सरकारी एजेंसियों से साझा करेगा। 30 सदस्यीय इस दल ने भौतिक विज्ञान विभाग की 100 साल पुरानी प्रयोगशाला में स्पेक्ट्रोस्कोपी के अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से गंगा जल के नमूनों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती सफलता के बाद विभाग की ओर से एक नया प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए तकरीबन दो करोड़ रुपये का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है, जिसे जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है। प्रोजेक्ट मंजूर होने के बाद सवा करोड़ रुपये की लागत से एटॉमिक फोर्स माइक्रोस्कोप (एएफएम) खरीदा जाएगा, जिसे रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीक से एकीकृत कर जांच की जाएगी, जिससे परिणाम और भी जल्द सामने आएंगे व ज्यादा सटीक होंगे। भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. केएन उत्तम ने बताया कि वैज्ञानिक दल में छात्र, शोधार्थी और शिक्षक शामिल हैं। इन्होंने प्रयोगशाला में जल प्रदूषण की जांच का काम शुरू कर दिया है और स्पेक्ट्रोस्कोपी विधि से कुछ ही सेकेंड में परिणाम सामने आ रहा है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल भी किया जा रहा है।

'साइंस की तरक्की के बिना किसी भी देश की उन्नति और संपन्नता संभव नहीं हैरू नदीम'

'मजीदिया इस्लामिया इंटर कश्लेज में वर्किंग एवं नानवर्किंग मॉडल की प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने दिखा उत्साह'

प्रयागराज। मजीदिया इस्लामिया इंटर कॉलेज में साइंस क्लब के संयोजक नदीम अहमद के नेतृत्व में कॉलेज के लाइब्रेरी हॉल में चार दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें कक्षा 9 से 12 तक के 100 बच्चों ने काम कर 25 वर्किंग एवं नानवर्किंग मॉडल तैयार किये। साइंस क्लब एवं कार्यक्रम संयोजक नदीम अहमद ने क्या ? कैसे ? और क्यों ? को लेकर विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। कहा की किसी भी देश की उन्नति, सुरक्षा और संपन्नता साइंस की तरक्की के बिना संभव नहीं है। छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहन और

'कक्षा 9 से 12 तक 100 छात्रा-छात्राओं ने किया प्रतिभाग'

विज्ञान की समझ पैदा करने के लिए अन्य अध्यापकों ने भी सम्बोधित किया।

अन्त में निर्णायक मंडल की डा. पदमा सिंह एवं डॉ तकदीर हुसैन ने पुरुस्कृत किये गये मॉडलों की घोषणा की। प्रथम स्थान पर श्लाई–फाई (स्प–थ्प)श एवं शमिसाइल लन्चिंगश के लिए अलीमुद्दीन, मो. अरमान मो. शहनवाज, साकिब और इरफान रहे। द्वितीय स्थान पर श्एनर्जी सेविंग, श्ग्रीन व क्लीनश एवं श्एसिड रेनश के लिए उमरा, कहकशां, सालेहा, अब्दुल रज्जाक, शफक बानो, तस्बीहा अदनान, मो. अरसलान, मो. शोएब, शारिक अहमद व ऐनुल हक रहे। तृतीय स्थान पर श्आप्टेकल अबाइंडरश, श्सोलर सिस्टमश, श्सैटेलाइट लन्चिंगश, एवं श्कैफे हाउसश चार मॉडलों के लिए अनवर हुसैन, मो. शाफे, शेखध्माज, मो. ताबिश, उमरा, शीरीन, जारा, फलक, खदीजा, जैनब अनीस, कहकशां, निशा व अमरीकन रही। अंत में सभी छात्र छात्राओं का उत्साह वर्धन एवं उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

यातायात माह, मिशन शक्ति और साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजनः

करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित बृज मंगल सिंह इंटर कॉलेज के पंडित श्री नारायण सभागार में यातायात माह, मिशन शक्ति और साइबर क्राइम के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला अपराध निरोधक समिति प्रयागराज, साइबर क्राइम प्रकोष्ठ और यातायात पुलिस के संयोजन में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में बच्चों को तरह तरह की जानकारी से जोड़ा गया। साइबर विशेषज्ञ साइबर थाना से आए इंजी. जयप्रकाश सिंह ने इन दिनों हो रहे तरह–तरह के साइबर क्राइम से लोगों को सावधान करते हुए कई जरूरी जानकारियां दी। उन्होंने शिक्षकों और बच्चों से साइबर अपराध के प्रति सजग रहने पर जोर दिया। यातायात उप निरीक्षक सत्येंद्र कुमार सिंह ने सड़क पर चलने के नियमों का पालन करने पर जोर देते हुए हेलमेट और सीट बेल्ट की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी।नशे की हालत में सड़क पर गाड़ी चलाने के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्होंने नियमों का सगकता से पालन करने की बात कही। जेल पर्यवेक्षक सचिव संतोष कुमार ने विशेष रूप से जानकारी देते हुए साइबर क्राइम यातायात और मिशन शक्ति के प्रति बच्चों को जागरूक किया। जादूगर नागेंद्र प्रताप सिंह ने भी जादू दिखाते हुए समाज में अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए बच्चों को आकर्षितकिया। मिशन शक्ति के बारे में बताते हुए विधि सलाहकार में नारी सुरक्षा नई अधिकारों के प्रति जागरूकता के बारे में कई जरूरी बातें बताई हुई बताते हुए पुलिस से सहायता हेतु कई तरह की हेल्पलाइन भी बच्चों को नोट कराई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष तिवारी,प्रवक्ता जितेंद्र कुमार,जगतपाल,मोहम्मद परवेज सिद्दीकी और व्यवस्थापक अशोक सिंह को इस मौके पर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान संतोष श्रीवास्तव,विक्रम जायसवाल, बलवंत विश्वकर्मा,सुधीर कुमार प्रजापति समेत कई विभागीय अधिकारी, विद्यालय के शिक्षक और बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

शरदोत्सव कवि सम्मेलन मंच पर कवियों ने जमाया रंगः

जमाने में वही जिंदा है जिसका नाम जिंदा है.....

करछना। तहसील क्षेत्र के कौंधियारा स्थित मोतीलाल नेहरू इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित शरदोत्सव कवि सम्मेलन मंच पर पहुंचे कवियों ने खूब रंग जमाया।कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार आनंद श्रीवास्तव और संचालन हास्य व्यंग्य के मशहूर कवि अशोक सिंह बेशरम ने किया।जिलेंद्र जलज द्वारा प्रस्तुत वाणी वंदना के उपरांत कृष्ण कांत कामिल ने कहा –किसी की दूर से औकात ना आंको कामिल,पहाड़ दूर से छोटा दिखाई पड़ता है। मुराद अली मुराद की गजलें भी खूब सराही गई। हास्य कवि नजर इलाहाबादी ने अपनी चुटीले व्यंग और हास्य रचनाओं पर सबको गुदगुदाया तो वहीं अपराजिता द्विवेदी के गीत भी सराहे गए।नीलम तिवारी के श्रृंगार गीतों ने खूब समा बांधी।दुर्गेश दुर्लभ ने अपने ओज स्वर में भगवान राम की आराधना कर मातृभूमि का नमन किया।अमित आभास ने राष्ट्रीय शौर्य का बखान करते हुए काव्य से शहीदों को नमन किया।संयोजक संतोष शुक्ला समर्थ ने कहा –मैं पीपल की,बरगद की छांव छू के चला था,मैं घर से अपनी मां के पांव छू के चला था।मंच का संचालन कर रहे अशोक सिंह बेशरम ने कहा –बनारस की सुबह जिंदा,अवध की शाम जिंदा है,जमाने में वही जिंदा है जिसका नाम जिंदा है। कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष अनय प्रताप सिंह और प्रमुख इन्द्र नाथ मिश्र द्वारा मंच पर सभी कवियों को सम्मानित किया गया। मुख्य संयोजक सोभनाथ शुक्ला ने सभी के प्रति आभार व्यापित किया। इस मौके पर थानाध्यक्ष कौंधियारा,बृज बिहारी पांडेय,अनुज पांडेय,योगेंद्र पांडेय,जनेश्वर मिश्र,रामधनी पाठक,अनिल मालवीय, ललऊ चौबे,उदित शुक्ला,नीलू श्रीवास्तव नंद कुमार त्रिपाठी समेत कई विद्यालयों के प्रधानाचार्य,शिक्षक और बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

'हज करने की तमन्ना रखने वाली महिलाओं के लिए सुनहरा मौका'

प्रयागराज। जो महिलाएं हज करने की तमन्ना रखती हैं। लेकिन किसी करणवश चूक गई हैं या हज 2025 में आवेदन नहीं कर सकीं हैं। तो वे हज 2025 के लिए आवेदन कर सकती हैं। वह अपने मेहरम के साथ अटैच हो सकती हैं। हज कमिटी आफ इंडिया ने 500 ऐसी महिलाओं (मां, बेटी, बहन, या पत्नी) के लिए हज का कोटा जारी किया है। आवेदन की अन्तिम तारीख नौ दिसंबर है। यह जानकारी खुद्दामे हज कमेटी के महासचिव हाजी मोईन अहमद खां ने देते हुए बताया कि सभी इच्छुक आवेदन कर्ता या महिलाएं खुद्दामे हज कमेटी के ऑफिस (पालकी गेस्ट हाउस) या मो. न. 9936226971 पर सम्पर्क कर सकते हैं। इसके अलावा यह भी बताया कि हज जायरीन जिन्होंने अपनी पहली किस्त 1,30,300 जमा कर दिया है। वे अब दूसरी किस्त 1,42,000 दिनांक 16 दिसंबर तक स्टेट बैंक या यूनियन बैंक के अकाउंट में जमा कर दें और रसीद अपने पास रखें। आखरिरी एवं अंतिम किश्त की सूचना बाद में दी जाएगी।

बीएसए बदायूं आदेश का पालन करें या उपस्थित हों, हाईकोर्ट ने जारी किया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन बरेली, बीएसए बदायूं, वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा बदायूं ग्रेच्युटी का भुगतान करें या न्यायालय में उपस्थित हों। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने

राममूर्ति की याचिका पर अधिवक्ता कमल कुमार केसरवानी को सुनकर दिया। याची राममूर्ति के पति समाज कल्याण पूर्व माध्यमिक विद्यालय (अशासकीय विद्यालय) उसहैत जिला बदायूं में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे। सेवाकाल में उनकी मृत्यु हो गई। याची को पेंशन व अन्य सेवालाभ दे दिया गया था, लेकिन ग्रेच्युटी का भुगतान नहीं किया गया। कहा गया कि ग्रेच्युटी सेवानिवृत्त पर देय है मृत्यु पर नहीं। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई। न्यायालय ने दो माह में ग्रेच्युटी का भुगतान करने आदेश दिया, लेकिन अधिकारियों ने इसका पालन नहीं किया। इसके बाद अवमानना याचिका दाखिल की गई। न्यायालय ने अधिकारियों को नोटिस जारी कर कहा कि 11 दिसंबर तक आदेश का अनुपालन किया जाए या न्यायालय में उपस्थित हों।

इंद्रनील घोष राष्ट्रीय पेफी अवार्ड से सम्मानित, सर्वश्रेष्ठ टेक्निकल अश्वफिशियल का मिला खिताब

प्रयागराज। फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) ने दिल्ली में जिले के फुटबॉल प्रशिक्षक इंद्रनील घोष को सातवें

राष्ट्रीय पेफी अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ टेक्निकल ऑफिशियल से सम्मानित किया गया है। इंद्रनील घोष नॉर्दन फुटबॉल अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक हैं। वह कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में टेक्निकल ऑफिशियल व स्पोर्ट्स मैनेजर रह चुके हैं। इसके अलावा इंद्रनील घोष उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, लक्ष्यदीप, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान उत्तर प्रदेश, प्रयागराज मंडल के भी प्रशिक्षक रह चुके हैं। हाल ही में उन्होंने संतोष ट्रॉफी सीनियर पुरुष व महिला राष्ट्रीय प्रतियोगिता में त्रिपुरा टीम के गोलकीपर प्रशिक्षक के रूप में काम किया है।

लाठी-डंडे से पीटकर युवक की हत्या, निमंत्रण से वापस लौटते समय हुई वारदात

प्रयागराज। दावत से घर लौट रहे एक मजदूर की लाठी डंडे से बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना गांव

पहुंची तो कोहराम मच गया। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। परिजन किसी से रंजिश होने की बात से इनकार रहे हैं। नवाबगंज के बजहा (डिहवा) निवासी प्रमोद कुमार सरोज (32) पुत्र शिवलाल तीन दिन पहले अपने नाना पिपरौंध आनापुर थाना नवाबगंज के यहां आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गया था। मंगलवार को वह घर लौट रहा था। रात करीब आठ बजे आदमपुर नाला के पास करीब आधा दर्जन लोगों ने लाठी डंडे से बेरहमी से पिटाई कर दी। किसी तरह घर पहुंचा तो उसे खून से लथपथ देखकर लोग सन्न रह गए। परिजन उसे लेकर अस्पताल जा रहे थे कि उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। सूचना पर नवाबगंज पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया। हालांकि परिजन ने किसी भी व्यक्ति से रंजीश से इंकार किया है। मृतक के पिता ने पुलिस को तहरीर दी है।

संविधान दिवस एवं जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज । सगंगानाथ झा परिसर में संविधान दिवस एवं जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन परिसर के मुख्य सभागार में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि श्री प्रवीण कुमार गिरी, अपार महाधिवक्ता उत्तर प्रदेश तथा विशिष्ट अतिथि श्री प्रभुति कांत त्रिपाठी, अतिरिक्त स्थाई शासकीय अधिवक्ता रहे. मुख्य अतिथि श्री प्रवीण कुमार गिरी ने भारतीय संविधान की व्यवस्था को रामायण के सन्दर्भ में प्रस्तुत किया. उन्होंने रामायण के प्रसंगो को दोहों के साथ वर्णित करते हुए संविधान निर्माण का आधार बताया. श्री राजेश कांत तिवारी ने जनजातीय गौरव दिवस के सन्दर्भ में बिरसा मुंडा के विषय में प्रेजेंटेशन के साथ प्रस्तुति दी. उन्होंने बिरसा मुंडा को क्रांति का पुरोधा बताया. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने आज के सन्दर्भ में संविधान के प्रति निष्ठां रखते हुए व्यवहार करने को प्रेरित किया. अपने वक्तव्य में उन्होंने वर्तमान समय में संविधान का अनुपालन करना एक आदर्श समाज की व्यवस्था की आधारशीला होना बताया . वेद विद्याशाखा के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार मिश्र, शोध विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो.देवदत्त सरोदे,शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के सह–संयोजक डॉ.मनीष जुगरान, साहित्यशास्त्र विद्याशाखा की प्राध्यापिका डॉ. मोनाली दास , साहित्यशास्त्र विद्या शाखा के प्राध्यापक डॉ. धीरज कुमार मित्र, संगणक एवं प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण विभाग के प्राध्यापक श्री राजेशकान्त तिवारी, प्रोफेशनल सहायक डॉ.श्याम सुन्दर पाण्डेय,अनुभाग अधिकारी श्री संजय मिश्र समेत परिसरीय समस्त शोधच्छात्र तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.श्याम सुन्दर पाण्डेय ने किया । कार्यक्रम का संयोजन डॉ. श्यामसुन्दर पाण्डेय एवं श्री राजेश कांत तिवारी ने संयुक्त रूप से किया।

वॉलीबाल संघ का फर्जी चेयरमैन बनकर सी.पी.सिंह कर रहा खिलाड़ियों को गुमराह : आर.पी.शुक्ला

प्रयागराज। इन दिनों वॉलीबाल खेल जगत में काफी उथल–पुथल चल रहा है,जिसके कारण खिलाड़ियों में हमेशा भ्रम की स्थिति बनी रहती है और प्रतिभावान खिलाड़ी गुटबाजी का शिकार हो रहे हैं। ऐसा ही एक मामला और प्रकाश में आया है कि सी.पी.सिंह नाम का व्यक्ति अपने आप को उत्तर प्रदेश वालीबाल संघ का ष टेक्निकल चेयरमैन ष बताकर पूरे प्रदेश के वॉलीबाल खिलाड़ियों को भ्रमित कर रहा है। जिसका खंडन करते हुए डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए),प्रयागराज के अवैतनिक महासचिव आर. पी.शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में यू.पी.वॉलीबाल एसोसिएशन (रजिस्टर्ड) नामक वैधानिक संस्था में टेक्निकल चेयरमैन के पद पे स्वयं पदासीन है। उनका कहना है कि कानपुर नगर निवासी सी.पी.सिंह ने उनकी संस्था के नाम से एक फर्जी लेटर पैड छपवा लिया है और रजिस्टर्ड ऑफिस का पता 111 ध 280 हर्ष नगर,कानपुर के स्थान पर अपने घर का पता ई.डब्लू.एस.591 बर्रा–2,कानपुर छपा रखा है। श्री शुक्ल ने बताया कि सी.पी.सिंह न्यायालय को गुमराह करने तथा किसी भी पदाधिकारी का हस्ताक्षर बनाने में माहिर वॉलीबाल के माफिया है। जिससे प्रदेश के वॉलीबाल खिलाड़ियों को सावध ाान रहने की जरूरत है। उक्त शिकायत के परिपेक्ष्य में डिप्टी रजिस्ट्रार सोसाइटी उत्तर प्रदेश ने सी.पी.सिंह को दोबारा नोटिस भेजकर चेतावनी भी दी है। कल शाम को हमारे दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता ने दूरभाष के माध्यम से उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ लखनऊ के महासचिव से तथा उत्तर प्रदेश सरकार के खेल निदेशालय में वार्ता की,तो सच्चाई का पता चला कि उत्तर प्रदेश में वॉलीबाल खेल संघ की जो वैधानिक संस्था है,उसके अध्यक्ष मा.श्री बृजेश पाठक जी,उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार और सचिव सुनील कुमार तिवारी जी हैं। जिनका रजिस्टर्ड ऑफिस 111 ध 280 हर्ष नगर,कानपुर है। उत्तर प्रदेश वालीबाल संघ के टेक्निकल चेयरमैन आर.पी.शुक्ला ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मा.योगी आदित्यनाथ जी को पोर्टल के माध्यम से एक शिकायती पत्र भेजकर फर्जी चेयरमैन के खिलाफ जांच कराकर पुलिस में एफ. आई.आर दर्ज कराने तथा दोषी व्यक्ति को दंडित किए जाने हेतु सरकार से मांग की है। ताकि भविष्य में इस तरह के अपराध की पुनरावृत्ति न हो।।

'कुम्भ मेला क्षेत्र में 18/11 /2025को नेत्र कुम्भ हेतु होगा भूमि पूजन'

प्रयागराज!सक्षम कार्यालय बाजपेई डेन्टल अस्पताल एलनगंज मे आर एस एस के मार्गदर्शन में दिव्यांगो समर्थ बनाने के लिए काम करने वाली संस्था सक्षम द्वारा पूर्व की भांति इस वर्ष महाकुंभ 2025 मे नेत्र कुम्भ का आयोजन किया जा रहा है जिसके सफल संचालन हेतु नेत्र कुम्भ संचालन समिति की बैठक पूर्व आई जो विहिप और नेत्र कुम्भ संचालन समिति के अध्यक्ष कवीन्द्र प्रताप

सिंह की अध्यक्षता में हुई संचालन नेत्र कुम्भ के महाप्रबंधक काशीप्रान्त के सेवा प्रमुख सत्य विजय ने किया बैठक मे पांच लाख लोगों का नेत्र परीक्षण तथा दो लाख पचास हजार लोगो को निःशुल्क चश्मा वितरण और पचास हजार से अधिक लोगों की निःशुल्क नेत्र सर्जरी का लक्ष्य लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु विन्दुवार चर्चा हुई और साथ ही कुम्भ क्षेत्र मे नेत्र कुम्भ के शिविर हेतु दिनांक 28 ध11 ध2024 को भूमि पूजन करने का निर्णय लिया गया है भूमि पूजन क्षेत्र प्रचारक अनिल और सन्तो तथा गणमान्य व्यक्तियों और संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता और नेत्र कुम्भ के संचालन समिति द्वारा किया जाएगा। बैठक मे संचालन समिति के सर्वज्ञ राम पूर्व आई ए एस. डा कमलाकर सिंह डा कमलाकांत, डा कर्तिका अग्रवाल, डा रंजन वाजपेयी, वीर कृष्ण. सुशील, राजेश प्रताप सह प्रचार प्रमुख, रीतेष वरुण प्रताप, विकास गोस्वामी, संजय, त्रिभुवन , मुकेश, विनोद, आदि प्रमुख रुप से प्रतिभाग किया

वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित

प्रयागराज । आज चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय के प्यारेलाल सभागार में (दि. 27ध11ध2024) को ष्एक देश एक चुनाव बेहतर विकल्प हैष् विषय पर वाद– विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस विषय पर महाविद्यालय के स्नातक एवं

स्नातकोत्तर स्तर के 80 छात्र – छात्राओं ने शिरकत कर अपने विचार रखें। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह एक सकारात्मक पहल हो सकती है। इसके अपने फायदे एवं नुकसान होते हैं। एक बार में चुनाव कराने पर सरकारी मशीनरीयों का दुरुपयोग बंद होगा और हमारे अधिकारी कर्मचारियों को देशहित में कार्य करने का ज्यादा अवसर मिलेगा। निर्णायक की भूमिका में डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दिलीप कुमार, डॉ. सानू तिवारी रहीं। उपरोक्त प्रतियोगिता के पक्ष में प्रतिभागी अक्षिता सिंह बी. ए. प्रथम वर्ष को विजयी घोषित किया गया तथा विपक्ष में विचार रखने वाले हिमांशु पाण्डेय बी. ए. प्रथम वर्ष को निर्णायक मंडल द्वारा विजेता घोषित किया गया। ये विद्यार्थी 30 नवंबर को कायस्थ पाठशाला द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालीय प्रतियोगिता में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। उक्त कार्यक्रम में समन्वयक प्रो. आभा सिंह एवं प्रो. संतोष कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अविनाश, एवं शोध छात्र–छात्राएं सोहन सिंह ज्योति, संगम, संजय उपस्थित रहें।

गीतकार जयराम जय 100 बड़े रचनाकारों में शामिल

कानपुर।नगर के प्रतिष्ठित गीतकार जयराम जय देश के 100 बड़े रचनाकारों में शामिल किए गए हैं।सूची में उनका 94 वां स्थान है। यह सूची राही संस्थान जयपुर (राजस्थान) ने पूरे देश के हिन्दी साहित्यकारों की साहित्य सेवाओं व गतिविधियों का सर्वे कराके के उपरांत जारी किया है। राही रैंकिंग –2024 में रामदरश मिश्र,ममता कालिया,चित्रा मुद्गल,नासिरा शर्मा,प्रेम जनमेजय,डॉ. संजीव कुमार,गिरीश पंकज,ललित लालित्य,मृदुला गर्ग,हरीश नवल,लक्ष्मीशंकर बाजपेई,बुद्धिमान मिश्र,असगर वजाहत,रूप सिंह चन्देल,सुरेंद्र विक्रम,मीनाक्षी जोशी, रणविजय राव व रंजना जायसवाल जैसे बड़े साहित्यकारों के नाम शामिल हैं। बताते चलें कि उ.प्र. आवस एवं विकास परिषद से सेवा निवृत्त ,वास्तुविद् अभियंता सुल्तानगढ़,जिला फतेहपुर (उ.प्र.) में जन्मे कवि जयराम जय, वर्तमान में कानपुर (उ.प्र.)में रहते हैं तथा वास्तुविदीय सेवाओं के साथ हिन्दी साहित्य की अनवरत सेवा कर रहे हैं।वर्ष 1980 से उनकी कविताएं स्तरीय पत्र पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित हो रही हैं वहीं कविसम्मेलनों के मंच पर उन्होंने छंदो व नवगीतों के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई है।आपकी कविताओं में जहां पारंपरिक छंदों को सम्मान मिला है,वही प्रयोगवादी व समकालीन गीत,नवगीत ,गजल, दोहे आदि काव्य विधाओं के साथ साथ गद्य में भी उनका लेखन जारी है। शजिंदगी गीत हैश तथा श्यह छंद हमारेश कृतियों के रचयिता जयराम जय स्वतंत्र पत्रकारिता के साथ कई पत्र पत्रिकाओं के संपादन सहयोगी हैं।उनकी इस उपलब्धि पर साहित्यकारों ने उन्हें बधाई दी है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0: 11920242025 दिनांक: 25.11.2024

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 18.12.2024 को 13.30 बजे** तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.: 247	अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 14921610.74
कार्यों का विवरण: सहायक मंडल अभियंता/अलीगढ़ के अधीन बनकौर और आसपास के स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं की भारी मरम्मत का कार्य।	
बयाने की रकम (रू) : ₹ 224600.00	कार्य समापन की अवधि : 08 महीने
निविदा खुलने की तिथि : 18.12.2024	
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।	

बिड कैपेसिटी की आवश्यकता नहीं है। नोट:- (1) ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि **दिनांक 18.12.2024 समय 13:30 बजे** तक उपलब्ध है। (3) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु केन्द्रों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (4) निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा पत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। (5) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (6) निविदादाता को जी. सी. सी. 2022 भाग-I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अन्यथा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। **2036/24(A)**

f North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

'प्रयागराज (इरादतगंज) - मानिकपुर तीसरी लाइन निर्माण परियोजना को मिली मंजूरी'

बेहतर कनेक्टिविटी, आसान यात्रा, कम लॉजिस्टिक्स लागत, तेल आयात और कार्बन उत्सर्जन होगा कम'

चार वर्षों में पूरी होगी परियोजना और हजारों लोगों को मिलेगा रोजगार'

प्रयागराज । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने प्रयागराज (इरादतगंज) – मानिकपुर तीसरी लाइन (84 किमी) को मंजूरी दे दी है । प्रस्तावित मल्टी–ट्रैकिंग परियोजना से परिचालन आसान होगा और व्यस्ततम रेल मार्ग प्रयागराज (इरादतगंज) – मानिकपुर पर ढांचागत विकास होगा । इस परियोजना से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जनपद की मध्य प्रदेश के खंडवा एवं चित्रकूट जनपदों तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी । प्रस्तावित परियोजनाओं से इस मार्ग पर अतिरिक्त यात्री ट्रेनों के संचालन से कनेक्टिविटी बढ़ेगी । यह रेलवे लाइन कृषि उत्पादों, उर्वरक, कोयला, इस्पात, सीमेंट, कंटेनर आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। यह लाइन ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर के लिए फीडर का कार्य करेगी। इस परियोजना से क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 15.94 मिलियन टन प्रति वर्ष की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी।

रेलवे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन का साधन है, जिससे जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने में मदद मिलेगी । इस परियोजना से प्रतिवर्ष 85 करोड़ किलोग्राम CO_2 उत्सर्जन कम होगा और 249 करोड़ रुपये का 3 करोड़ लीटर डीजल बचेगा । इस रेल खण्ड पर मालगाड़ियों के डिटेन्शन का समय 141 मिनट है, इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद यह घटकर 30 मिनट हो जाएगा।

रूट की लंबाई रू 84 किलोमीटर

ट्रैक की लंबाई रू 100 किलोमीटर

वर्तमान अनुमानित लागत : 1507.73 करोड़ रुपये

वर्तमान समापन लागतरू 1639.69 करोड़ रुपये

लोडिंग में अपेक्षित वृद्धि :15.94 मिलियन टन प्रति वर्ष

उपलब्ध जमीन : 149.42 हेक्टेयर (39 फीसदी)

मौजूदा स्टेशन : 12

प्रमुख पुल : 30

छोटे पुल : 57

रोड ओवर ब्रिज रू 1

रोड अंडर ब्रिज : 5

'प्रयागराज मण्डल में मनाया गया संविधान दिवस'

शहर समता प्रयागराज। दिनांक 26 नवंबर, 2024 को प्रयागराज मण्डल कार्यालय परिसर में मण्डल रेल प्रबंधकध प्रयागराज श्री हिमांशु बडोनी के नेतृत्व में संविधान दिवस की 75 वीं वर्षगाँठ को मनाया गया द्य इस अवसर पर वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी–प्रथम, श्री मनीष खरे एवं वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी–द्वितीय, श्री वैभव गुप्ता भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रयागराज मण्डल में "संविधान दिवस प्रस्तावना–पाठ समारोह" का आयोजन किया गया ष मण्डल रेल प्रबंधकध प्रयागराज श्री हिमांशु बडोनी द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया गया हमारा संविधान 26 नवंबर 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा अंगीकार किया गया था और 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी होने के साथ भारत का संविधान हमारे राष्ट्र का सर्वोच्च कानून बन गया था । यह दस्तावेज हमारी मूलभूत राजनीतिक व्यवस्था, संरचना, प्रक्रियाओं, शक्तियों और सरकारी संस्थानों के कर्तव्यों का सीमांकन करता है और साथ ही मौलिक अधिकारों, नीति निर्देशक सिद्धांतों और नागरिकों के कर्तव्यों को निर्धारित करता है। यह दुनिया में किसी भी देश का सबसे बड़ा लिखित संविधान है और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की रीढ़ है। डॉ. भीमराव आंबेडकर को भारत का संविधान बनाने में अहम भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है। हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व–संपन्न, समाजवादी, पंथ–निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को, सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

अपनी सांस्कृति को बचाना आज बहुत जरूरी–पं रत्नाकर मिश्र

मिर्जापुर। मां विंध्यवासिनी के पावन धाम में विधायक निवास पर मिर्जापुर की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित पुस्तक श्विंध्य शिखररू मिर्जापुश्र का विमोचन समारोह एवं पुस्तक परिचर्चा मंगलवार की शाम बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित नगर विधायक

माननीय पंडित रत्नाकर मिश्र के कर कमलों द्वारा जिले के वरिष्ठ साहित्यकारों एवं संभ्रांत नागरिकों की गरिमामई उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में पुस्तक के उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा इसे अपनी खोती जा रही संस्कृति को बचाए रखने के लिए आवश्यक बताया और कहा कि हम अपने पुराने आदर्शों को न भूलें। हिंदी श्री साहित्य संस्थान मिर्जापुर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत चर्चित साहित्यकार आनंद अमित के सरस्वती वंदना एवं मां विंध्यवासिनी की आराधना से हुआ। मिर्जापुर के मूल निवासी एवं गाजियाबाद में निवासरत इस पुस्तक के लेखक डॉ मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव शिखर ने मुख्य अतिथि, अध्यक्ष, विशिष्ठ अतिथि एवं अन्य सभी अतिथियों का अंगवस्त्रम भेंटकर सम्मान किया। मुख्य अतिथि ने इस पुस्तक के लेखक डॉ मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव को अंगवस्त्रम से सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे साहित्यकार आनंद अमित ने सभी अतिथियों का परिचय, स्वागत एवं पुस्तक के प्रकाशन पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि ने पुस्तक विमोचन कर पुस्तक के संदर्भ पर विस्तृत रूप से अपने विचार व्यक्त किया और बहुत सी बातें उन्होंने उपस्थित श्रोताओं के समक्ष रखी। मुख्य अतिथि ने कहा कि जिस मां विंध्यवासिनी की महिमा का वर्णन देवता लोग भी नहीं कर सकते, उनका वर्णन हम मनुष्य लोग क्या कर पाएंगे। उन्होंने आज सांस्कृतिक चेतना के लुप्त होने पर चिन्ता व्यक्त की।

परिचर्चा के क्रम में राजीव मिश्रा, तरुण पांडेय, अनिल मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि राजपति ओझा ने साहित्यिक विमर्श में भाग लिया। प्रारम्भ में लेखक ने पुस्तक की प्रस्तावना, उद्देश्य एवं रूपरेखा पर प्रकाश डाला तथा स्पष्ट किया कि जिस जिले में मां विंध्यवासिनी, मां अष्टभुजा एवं मां काली एक साथ विराजमान हों, उस जिले का वर्णन किसी एक लेखक द्वारा संभव नहीं है, इसके लिए साहित्यकारों एवं विद्वानों की पूरी टीम को वर्षों तक लिखना पड़ सकता है। साहित्यकार आनंद अमित ने अपनी गीतों से सबको आकृष्ट कर आनंद की अनुभूति कराई। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक में तहसील, ब्लॉक, ग्राम, नदी, तालाब, झरना, डैम, धार्मिक स्थल, चुनार किला, उद्योग धंधों आदि सहित प्राकृतिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक आदि सांस्कृतिक विरासत का वर्णन संक्षिप्त में किया गया है, जो पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी है। विमोचन समारोह में पंडित सुधाकर मिश्र, पंडित पद्माकर मिश्र, विपिन पांडेय, अंकित दूबे, मनीष रावत, आनंद मिश्रा, मोहित मिश्रा, महेंद्र पांडेय, संदीप आदि संभ्रांत नागरिकों की गरिमामई उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय पंडित रत्नाकर मिश्र ने सभी पधारे हुए अतिथियों को श्रीमद भगवतगीता की पुस्तक अपनी ओर से भेंट स्वरूप प्रदान की।

'विश्वनाथ में कल्याण आश्रम,असम द्वारा में दो संस्कार केंद्र का शुभारंभ'

'बेगुनबारी और माजुलीगढ़ संस्कार केंद्र का हुआ उद्घाटन'

विश्वनाथ, असम, । लाचित दिवस के शुभ अवसर पर संस्कार केंद्र और माजुलीगढ़ संस्कार केंद्र का शुभारंभ किया विश्वनाथ जिले के बरपथार पंचायत के अंतर्गत बेगुनमारी प्राथमिक विद्यालय में रविवार को कल्याण आश्रम द्वारा बेगुनबारी । सर्वप्रथम कल्याण आश्रम ,असम विश्वनाथ जिला द्वारा बेगुनबारी प्राथमिक विद्यालय के सभागार में संयोजक अमन ताँति तथा देव ताँति के सहयोग से रविवार को प्रातः 10 बजे संस्कार केंद्रष शुभारंभ हेतु सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का कल्याण आश्रम , असम के विश्वनाथ तथा सकामोठा के विस्तारक संतोष कुमार महतो के संचालित सभा में कल्याण आश्रम, असम के विश्वनाथ जिला संगठन मंत्री सोमराम भगत ने सभा की अध्यक्षता की। सभाध यक्ष सोमराम भगत , समाजसेवी खुदुराम तांति,बलराम नायक, उपेन तांति को मंचासीन कराया गया। महतो ने सभा का उद्देश्य व्याख्या करते हुए कहा केंद्र शुभारंभ इसलिए करना चाहते हैं कि जनजाति व आदिवासी विद्यार्थी को संस्कारी बनाकर समाज के मुख्य धारा से जुड़ाकर राष्ट्रहित के लिए अपना योगदान दे सके। इसके बाद जनजाति नायक वीर बिरसा मुंडा का जीवन दर्शन के ऊपर प्रकाश डालते देते भारतीय सभ्यता, संस्कार तथा संस्कृति के ऊपर सारगर्भित व्याख्यान दी। कल्याण आश्रम,असम द्वारा चलाए जा रहे हैं विविध आयामों की जानकारी दी।इसके बाद समाजसेवी खुदुराम ताँति ने इस केंद्र को खेलने के लिए कल्याण आश्रम को आभार जताया। सभाध यक्ष सोमराम भगत ने कल्याण आश्रम का ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर परिचय देते हुए कल्याण आश्रम विविध योजना की ऊपर सह विस्तार बताया।इस संस्कार केंद्र खोलने पर लोगों को ध ान्यवाद दिया और उम्मीद जताई कि इस केंद्र से बच्चे लाभान्वित होंगे और अपनी परंपरा को लेकर चलेंगे। देशहित कार्य के साथ आत्मनिर्भर बनेंगे। इसके बाद इस दोनोंकेंद्र के प्रबंधन के लिए समितियां की गठन की गई , जिसमें अध यक्ष क्रमशः खुदुराम तांति , सुलोचना तांति , सचिव क्रमशः बलराम नायक, तपन तांति , संस्कार केंद्र प्रमुख क्रमशः अमन ताँति ,देव ताँति आदि को चुना गया।विस्तारक संतोष कुमार महतो ने उपस्थित अभिभावकों तथा विद्यार्थी को धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में गरिमामय सभा का राष्ट्रगान तथा कल्याण मंत्र से सभा समापन किया गया । कार्यक्रम में भारत माता,वीर बिरसा मुंडा की जय ध्वनि से चारों ओर वातावरण गूंज उठा।इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता और असंख्य कार्यकर्ता तथा विद्यार्थी मौजूद थे।

सम्पादकीय.....

बचपन पर तपिश

अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर–जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण होगा। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर जलवायु संकट का खतरा अलग से मंडराने लगा है। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यह एक हकीकत है कि वर्ष 2021 तक भारत बच्चों पर जलवायु जोखिम सूचकांक में 163वें स्थान पर रहा है। लेकिन इस सदी के मध्य तक स्थिति खासी चुनौतीपूर्ण होने की आशंका है। यूनिसेफ का आकलन है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते वर्ष 2050 तक बच्चों को वर्ष 2000 की तुलना में आठ गुना अधिक तपिश झेलनी पड़ सकती है। दरअसल, हाल ही में यूनिसेफ ने 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड' शीर्षक अपनी सालाना रिपोर्ट में भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों का मंथन किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। दरअसल, यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे वर्तमान में उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। निस्संदेह, यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति–नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। खासकर लगातार गहरे होते जलवायु संकट के बीच बच्चों की सेहत, शिक्षा और पेजयल जैसे जीवन के जरूरी संसाधनों की सहज उपलब्धता की दृष्टि से। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, अनुमान लगाया जा रहा है कि वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी शहरों में रह रही होगी। जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं। इसमें बच्चों की शिक्षा, उनकी सेहत और कौशल विकास की जरूरतों के अनुरूप शहरी तंत्र को विकसित करें। निश्चित रूप से इसके लिये बड़े निवेश की भी जरूरत होगी। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम मेधा का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम मेधा जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों पर भी पड़ेगा। जहां दुनिया के विकसित देशों में अधिकांश आबादी इंटरनेट से जुड़ने के कारण प्रगति की राह में सरपट दौड़ रही है, तो गरीब मुल्कों में यह प्रतिशत विकसित देशों के मुकाबले करीब एक चौथाई ही है। ऐसे में समतामूलक समाज की स्थापना के लिये डिजिटल डिवाइड को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके मद्देनजर हमारी कोशिश हो कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का स्वरूप समावेशी हो। ताकि आधुनिक तकनीक तक बच्चों की समान व सुरक्षित पहुंच हो सके। निर्विवाद रूप से बच्चे आने वाले कल के लिये देश का भविष्य निर्धारक होते हैं। ऐसे में हर लोक कल्याणकारी सरकार का नैतिक दायित्व है कि अपनी रीतियों–नीतियों में बच्चों के हितों व अधिकारों को प्राथमिकता दे। तभी हम उनके सुखद भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।

संभल के पीछे की नीयत

डॉ. दीपक पाचपोर

उत्तर प्रदेश के संभल में फिलहाल जो माहौल बना हुआ है, कम से कम उसे देखकर यही नजर आ रहा है कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में हिंदुत्व की उग्रता का और क्रूर चेहरा देखने मिलेगा। इसी उत्तरप्रदेश में 5 सौ साल पुरानी बाबरी मस्जिद को तोड़ने के लिए भाजपा ने पूरी व्यूह रचना की थी।

बंटेंगे तो कटेंगे। एक हैं तो सेफ हैं। अयोध्या तो झांकी, काशी, मथुरा बाकी है। भाजपा के दिए ये तमाम नारे संविधान को ठेंगा दिखाकर भारत की जनता को चिढ़ाने वाले हैं कि तुम लोग हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं, जैसे पुराने दौर को याद करते रहो और हम तुम्हारी नजरों के सामने न्यू इंडिया बना कर दिखा देंगे, जिसमें न संविधान की कोई इज्जत रहेगी, न लोकतंत्र की कोई मर्यादा होगी। उत्तर प्रदेश के संभल में फिलहाल जो माहौल बना हुआ है, कम से कम उसे देखकर यही नजर आ रहा है कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में हिंदुत्व की उग्रता का और क्रूर चेहरा देखने मिलेगा।इसी उत्तरप्रदेश में 5 सौ साल पुरानी बाबरी मस्जिद को तोड़ने के लिए भाजपा ने पूरी व्यूह रचना की थी। लालकृष्ण आडवानी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथ यात्रा निकाली। जिन राज्यों से आडवानी का आधुनिक रथ निकला, वहां दंगे भड़कने की जमीन तैयार हुई। बिहार में लालू प्रसाद ने हिम्मत दिखाई, वहां रथ नहीं निकलने दिया तो सांप्रदायिक हिंसा से लंबे वक्त तक बिहार बचा रहा। हालांकि अब देश का कोई भी राज्य इस जहर से अछूता नहीं है, क्योंकि भाजपा ने पिछले तीस सालों में अपने हाथ–पैर सब तरफ फैला दिए हैं। इस फैलाव को सियासत की भाषा में सत्ता कहते हैं। भाजपा गर्व से दिखाती है कि हिंदुस्तान के कितने राज्य अब भगवा रंग में रंगे जा चुके हैं। और देश प्रेम का दावा करने वाले पलट कर पूछते भी नहीं कि तिरंगे के बाकी दो रंग और बीच के चक्र में जो नीला रंग है, उसके लिए जगह क्यों नहीं बन रही। आडवानी की रथ यात्रा के कारण भाजपा को सत्ता में आने का मौका मिल गया, फिर मोदी के गुजरात और गुजरात में गोधरा के कारण केंद्र की सत्ता फिर से मिली, तीन बार लगातार मिली, लेकिन इसमें भारत के पास आखिर में बंटेंगे तो कटेंगे जैसे नारे ही बचे हुए दिख रहे हैं। या फिर नजर आ रही है बाबरी मस्जिद के बाद देश की बाकी मस्जिदों पर शक की निगाहें। बाबरी मस्जिद को तोड़ना गलत था, यानी अपराध था, ये बात सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में कही गई, लेकिन इसके अपराधियों को देश ने सजा पाते नहीं देखा, उल्टे सर्वोच्च अलंकरणों से सम्मानित होते देखा। राम मंदिर बन गया तो हिंदुत्व ब्रिगेड के हौसले और बुलंद हो गए। बाबरी मस्जिद तोड़ने के बाद ही नरसिंह राव सरकार ने धार्मिक स्थल कानून बनाया, उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991, नामक इस कानून के तहत 15 अगस्त, 1947 से पहले बने किसी भी धार्मिक स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। दूसरे धर्म के कब्जे के सबूत पर भी कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। और इस कानून का उल्लंघन करने पर तीन साल तक की जेल और जुर्माना हो सकता है। इस कानून के बावजूद काशी में ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश हुआ और अब संभल में भी इसी तरह शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के आदेश अदालत ने दिए, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के वकील विष्णु शंकर जैन ने एक शिकायत में दावा किया कि मस्जिद के स्थान पर कभी हरिहर मंदिर नामक मंदिर हुआ करता था और मुगल सम्राट बाबर ने 1529 में इसे आंशिक रूप से ध्वस्त कर दिया था। ध्यान रहे कि विष्णु जैन और उनके पिता हरि शंकर जैन ने ज्ञानवापी–काशी विश्वनाथ विवाद समेत पूजा स्थलों से जुड़े कई मामलों में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व किया है। शिकायत के बाद अदालत ने सर्वे का आदेश दिया था और इसी को लेकर सर्वे टीम मस्जिद पहुँची थी। एक सर्वे 19 नवंबर को हो चुका था और रविवार को दूसरे सर्वे के लिए टीम फिर पहुंची, तो इस दौरान हिंसा भड़क गई। पुलिस का कहना है कि सर्वे दल पर पथराव हुआ, माहौल हिंसक हो गया। लेकिन यह स्पष्टीकरण कोई नहीं दे रहा कि सर्वे जैसे काम में जय श्री राम के नारे लगने का क्या मतलब है। क्यों यह सर्वे सुबह के वक्त करने का फैसला लिया गया। ऐसा नहीं है कि पहले सर्वे के वक्त से हालात सामान्य थे। किसी के घर पर अचानक कोई आकर दावा करने लगे और आनन–फानन में सारे सबूत जुटाने की तैयारी होने लगे, तो माहौल बिगड़ेगा ही। उत्तरप्रदेश पहले से सांप्रदायिक तौर पर संवेदनशील राज्य रहा है, इसके बावजूद प्रशासन की तरफ से जो लापरवाही बरती गई उसकी जिम्मेदार सीधे–सीधे योगी सरकार है। मगर अब भी ठीकरा दूसरों के सिर पर फोड़ने की तैयारी चल रही है।कहा जा रहा है कि रविवार को जब सर्वेक्षण दल पहुंचा तो उसका विरोध करने के लिए सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी शाही जामा मस्जिद के पास जुटे। इसी बीच धक्का मुक्की शुरू हो गयी। झड़प के बाद पथराव की घटना हुई। कुछ वीडियो में पुलिस को गोलियाँ चलाते देख जा सकता है। कुछ वीडियो में पुलिस को अपशब्दों का प्रयोग करते भी देखा गया है। हालांकि इनकी पुष्टि होना बाकी है। मगर इस हिंसक झड़प में चार लोगों की मौत हो गई। जब धार्मिक जुलूसों या सत्संग आदि में कभी भगदड़ हो और लोगों की मौत हो तो प्रशासन फौरन मुआवजे का ऐलान कर देता है। लेकिन संभल में जिन लोगों की मौत हुई, उनके परिजनों के पास जीवन भर के गम के अलावा और कुछ नहीं बचा है। विपक्ष इस मसले पर सोमवार से शुरु हुए संसद सत्र में चर्चा चाहता था, लेकिन मोदी सरकार को जवाबदेही से बचाने के लिए सोमवार का सत्र चला ही नहीं, मंगलवार को भी सत्र स्थगित रहेगा और सरकार संविधान दिवस मना कर संविधान की रक्षा का ढोंग कर लेगी और बुधवार को जब सदन फिर से बैठेगा, तब तक संभल की जगह शायद कोई और मुद्दा तूल पकड़ लेगा।

संभल: देश को कौन जला रहा है?

राजेंद्र शर्मा

उत्तर प्रदेश में संभल के दु:खद घटनाक्रम के संबंध में, एक प्रभावशाली राय यह है कि यह दंगा जान–बूझकर शासन के इशारे पर कराया गया था, जिससे एक दिन पहले ही गाढ़े रंग से रेखांकित होकर सामने आये प्रदेश में नौ विधानसभाई सीटों के उपचुनाव में खुली धांधली के सवालों की ओर से ध्यान हटाया जा सके। सभी जानते हैं कि उप–चुनावों में 23 नवंबर को घोषित नतीजों में, भाजपा ने सपा से तीन सीटें छीन ली हैं। इन नतीजों में मुरादाबाद की कुंदरकी की सीट जैसे चमत्कार भी शामिल हैं, जहां करीब 65 फीसद मुस्लिम मतदाताओं के बावजूद और मुस्लिम वोटों में किसी खास विभाजन के न होने के बावजूद, भाजपा के उम्मीदवार को एक लाख से ज्यादा वोटों से विजयी घोषित किया गया है। वैसे इन उपचुनावों के सिलसिले में यह उल्लेखनीय है कि मतदान के दिन, 20 नवंबर को ही समाजवादी पार्टी ने कुंदरकी के अलावा भी कम से कम तीन चुनाव क्षेत्रों–अंबेडकर नगर में कटेहरी, मुजफ्फरनगर में मीरापुर तथा कानपुर में सीसामऊकृमें बड़े पैमाने पर चुनाव धांधली और खासतौर पर मुस्लिम मतदाताओं को पुलिस द्वारा रोके, डराए–धमकाए जाने और उन पर लाठियां बरसाए जाने के, सप्रमाण आरोप लगाए थे। यहां तक कि प्रायरू विपक्ष की शिकायतों को अनसुना करने वाले चुनाव आयोग तक को, अलग–अलग चुनाव क्षेत्रों में करीब आधा दर्जन पुलिस अधिकारियों के निलंबन के आदेश जारी करने पड़े थे। मतगणना के बाद, विपक्ष चुनाव धांधली की इन शिकायतों को जोरदार तरीके से उठाता, उससे पहले ही अगली सुबह संभल में दंगा करा दिया गया, जिसमें इन पंक्तियों के लिखे जाने तक चार और कई खबरों के अनुसार एक ही समुदाय के पांच लोगों की जान जा चुकी थी और पुलिसवालों समेत भारी संख्या में लोग घायल हो गए थे। खैर! संभल की त्रासदी किसी षडयंत्र के अर्थ में भले ही जान–बूझकर नहीं करायी गयी हो, लेकिन दंगा जिस तरह से भड़काया गया है, उस अर्थ में जरूर यह दंगा प्रशासन की मिलीभगत से कराया गया है। यह संयोग ही नहीं है कि एकाएक एक जिला अदालत द्वारा इस कस्बे के सबसे पुराने स्मारक, साढ़े चार सौ साल पुरानी शाही मस्जिद में यह पता लगाने के लिए कि क्या वहां पहले मंदिर रहा था, सर्वे कराने के आदेश दे दिए। आश्चर्यजनक रूप से ये आदेश मुस्लिम पक्ष की अनुपस्थिति में, अल्पसंख्यकों के लिए बिना किसी पूर्व–सूचना के ही जारी कर दिए गए। फिर भी यह सर्वे बिना किसी अप्रिय घटना के हो भी गया। लेकिन, आश्चर्यजनक रूप से 24 तारीख की सुबह सर्वेक्षण टीम, पुलिस की सुरक्षा में और जय श्रीराम के नारे लगाते समूह के साथ, दोबारा सर्वेक्षण के लिए पहुंच गयी। बताया जाता है कि दोबारा सर्वे करने के लिए किसी प्रकार का अदालती आदेश तक नहीं था। उसके बाद वही हुआ जो सकता था। सर्वेक्षण के पक्ष और विरोध में तनाव पैदा होने लगा। विरोध में भीड़ जमा हो गयी और जल्द ही भीड़ और पुलिस के बीच झड़प की नौबत आ गयी। और फिर वह हुआ, जो उत्तर प्रदेश में योगी राज में हर बार होता है।कृपुलिस ने मुसलमानों के खिलाफ युद्घ जैसा छेड़ दिया। ज्यादातर जानें पुलिस की गोलीबारी में गयी हैं, हालांकि पुलिस ने गोली चलाने से इंकार ही किया है। पुलिस ने 2,500 लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की बताते हैं। दुर्भाग्य से उत्तर प्रदेश पुलिस की इन जुल्म–ज्यादतियों को चूंकि वर्तमान शासन का पूरा–पूरा अनुमोदन हासिल है बल्कि शासन द्वारा इन्हें बढ़ावा ही दिया जाता है, इसलिए न सिर्फ इन पर रोक–टोक का कोई दरवाजा नहीं है, मुसलमानों की किसी भी तरह की सुनवाई की उम्मीद ही तेजी से खत्म होती जा रही है। कहने की जरूरत नहीं है कि इस हताशा ने भी संभल के दंगे की आग में घी डालने का काम किया है। यह नाउम्मीदी इस बात से और भी मुकम्मल हो जाती है कि बढ़ते पैमाने पर अदालतें, समस्या के समाधान का साधन बनने के बजाए, समस्या भड़काने का ही साधन बनती जा रही हैं। यह संयोग ही नहीं है कि तथाकथित सर्वे के अदालती आदेश के जरिए, अकारण सांप्रदायिक झगड़ा खड़ा करने और तनाव पैदा करने का यही पैटर्न काशी में ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में और मथुरा में ईदगाह मस्जिद के मामले में, नये सिरे से विवाद खड़े करने के रूप में भी देखने को मिला है। हैरानी की बात नहीं होगी कि आगे–आगे निचली अदालतों के सहारे और भी मुस्लिम धार्मिक स्थलों को लेकर, इसी तरह के झगड़े खड़े किए जाएं। दुर्भाग्य ये यह सब एक प्रकार से सुप्रीम कोर्ट की शह से ही हो रहा है। याद रहे कि काशी की ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर इस तरह से विवाद खड़ा किए जाने का मुद्दा जब सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा था और इस तरह की कार्रवाइयों को 1991 के धार्मिक स्थल कानून के आधार पर चुनौती दी गयी थी, डीवीइ चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस तकनीकी तर्क के आधार पर सर्वे का अनुमोदन कर दिया था कि सर्वे की मांग, सिर्फ यह जानने की मांग है कि क्या वहां कोई मंदिर रहा था? और यह मांग, धार्मिक स्थल की प्रकृति को बदलने की मांग से अलग है, जो कि 1991 के कानून के अंतर्गत प्रतिबंधित है। उसके बाद से, निचली अदालत द्वारा 1991 के कानून के आधार पर ही खारिज कर दिए गए, मथुरा के ईदगाह मस्जिद विवाद को भी पुनर्जीवित किया जा चुका है। आज, संभल इसी आग में जल रहा है। दुर्भाग्य से शासन में उच्चतम स्तर से इस सब को बढ़ावा मिल रहा है। जब हम उच्चतम स्तर कहते हैं, तो हमारा आशय सिर्फ प्रदेश में उच्चतम स्तर से ही नहीं, देश में उच्चतम स्तर से भी है। यह कोई संयोग ही नहीं है कि आम चुनाव के बाद गुजरे लगभग छरू महीनों में, देश ने बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिकता का बढ़ता हुआ ज्वार ही देखा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के नेतृत्व में तो सबसे बढ़कर एक यही काम हो रहा है और बंटोगे तो कटोगे जैसे नये–नये विभाजनकारी नारे दिए जा रहो हैं। बेशक, यह आम चुनाव में संघ–भाजपा को लगे तगड़े झटके को देखते हुए, कई लोगों ने मोदी निजाम से सांप्रदायिक ताप में कमी लाने की जो उम्मीदें लगा ली थीं, यह सब उनसे उलट है। लेकिन, यही सच है। आम चुनाव के तुरंत बाद, इसने इसके आम सांप्रदायिक प्रचार का रूप ले लिया कि मुसलमानों ने भाजपा के खिलाफ वोट दिया था। फौरन कुछ भाजपा नेताओं ने मुसलमानों को इसके लिए दंडित करने, सरकार द्वारा उनके काम नहीं किए जाने, आदि की पुकारें करनी शुरू कर दीं। इन्हीं पुकारों को हमने, महाराष्ट्र के हाल के विधानसभाई चुनाव में बहुत ही आक्रामक तरीके से तथाकथित वोट जिहाद के विरोध के नाम पर, एक उग्र विभाजनकारी अभियान तक पहुंचाते जाते देखा, जिसके अगुवा देवेंद्र फडनवीस थे। आदित्यनाथ के बटोगे तो कटोगे और प्रधानमंत्री के श्एक रहोगे तो सेफ रहोगेश्श के नारों में मुस्लिमविरोधी स्वर में जो परोक्षता थी, उसकी कमी को वोट जिहाद का मुकाबला करने की पुकार की प्रत्यक्षता से भरा जा रहा था। श्श्वोट जिहादश्श की संज्ञा से ही साफ था कि किस के खिलाफ एक होना है! महाराष्ट्र विधानभाई चुनाव में भाजपा की झाड़ूमार किंतु संदिग्ध जीत के जश्न में, दिल्ली में भाजपा के मुख्यालय में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने इसके पर्याप्त संकेत दे दिए हैं कि इस सांप्रदायिक मुहिम को ढीला नहीं पड़ने दिया जाएगा। इस मुहिम का नया हथियार है, वक्फ कानून का विवाद। प्रधानमंत्री ने विजेता की मुद्रा में अपने संबोधन में वक्फ कानून को संविधान विरोधी ही करार दे दिया और घोषित कर दिया कि यह कानून तुष्टिकरणण के लिए ही बनाया गया था। साफ है कि संयुक्त संसदीय समिति द्वारा जांच–परख का स्वांग जल्द ही समेटकर और सारे विरोध को दरकिनार करते हुए, मोदी सरकार वक्फ कानून में संशोधन थोप दे।

उपचुनावों में तृणमूल की जीत से ममता की इंडिया ब्लश्क में स्थिति मजबूत

सात्यकी चक्रवर्ती

पश्चिम बंगाल में छह विधानसभा क्षेत्रों में हुए उपचुनावों में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों की जीत तृणमूल नेतृत्व की उम्मीदों से भी शानदार रही। 2021 के विधानसभा चुनावों में छह सीटों में से एक मदारीहाट सीट भाजपा के पास थी, जबकि अन्य पांच सीटें तृणमूल के पास थीं। उपचुनावों में जिसके परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए गए, टीएमसी ने न केवल अपनी पांच सीटों को बहुत बड़े अंतर से बरकरार रखा, बल्कि भाजपा की सीट पर उसके उम्मीदवार को 30,000 से अधिक मतों से हराकर सभी छह सीटों पर कब्जा कर लिया। 2021 के चुनावों में भाजपा ने टीएमसी को 29,000 मतों से हराकर मदारीहाट सीट जीती थी। आरजी कार कॉलेज में एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या से संबंधित दुखद घटना के बाद मतदान हुआ, जिसके कारण डॉक्टरों और आम लोगों की भावनाओं में अभूतपूर्व उछाल आया और पीड़िता के लिए न्याय की मांग की गयी। इस उभार ने एक व्यापक आंदोलन का रूप ले लिया जिसमें वामपंथी दलों, विशेष रूप से सीपीआई (एम) ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। 9 अगस्त से शुरू हुआ आंदोलन 21 अक्टूबर तक जारी रहा, जिस दिन डॉक्टरों ने पश्चिम बंगाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद अपनी भूख हड़ताल वापस ले ली।विपक्षी दलों, खासकर वामपंथियों को उम्मीद थी कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार के भ्रष्टाचार को निशाना बनाकर किये गये इस उभार का छह निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों के चुनावी मूड पर वामपंथियों के पक्ष में असर पड़ेगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। इसके बजाय, मतदाताओं ने टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के पक्ष में अपने जनादेश का इस्तेमाल किया। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि वामपंथी उम्मीदवारों की न केवल जमानत जब्त हुई, बल्कि 2021 के विधानसभा चुनावों की तुलना में मतदान के आंकड़े भी काफी कम रहे। वाम मोर्चे के नेता सीपीआई (एम) केवल एक सीट पर चुनाव लड़ी और 2021 की अपनी दो अन्य सीटों पर, पार्टी ने हरोआ में आईएसएफ और नैहाटी में सीपीआई (एमएल) लिबरेशन को चुनाव लड़ने दिया। पार्टी को तलडांगा सीट पर सबसे खराब स्थिति का सामना करना पड़ा, जहां वह चुनाव लड़ी थी। इसका वोट शेयर 4 प्रतिशत से भी कम था। विडंबना यह है कि हरोआ में केवल आईएसएफ उम्मीदवार ही अपनी जमानत बचा सका। इस परिणामों ने वामपंथियों को पूरी तरह से चुनावी जंगल में डाल दिया लगता है। जहां तक भाजपा का सवाल है,राज्य पार्टी नेतृत्व के पास कोई बहाना नहीं है। टीएमसी के खिलाफ उसके सारे अभियान कोई नतीजा नहीं दे पाये, हालांकि एक को छोड़कर, भाजपा वोटिंग के आंकड़ों के मामले में टीएमसी के बाद दूसरे नंबर की पार्टी बनी हुई है। लेकिन वह दूसरा नंबर बहुत दूर भारी मतों के अन्तर से है। मदारीहाट की इस हार के साथ, राज्य विधानसभा में भाजपा की ताकत 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद मिले 77 के मूल स्तर से घटकर लगभग 69 रह गयी है। भाजपा के पास बंगाल में पेश करने के लिए कोई नया कार्यक्रम नहीं है, सिवाय मोदी की गारंटी की बात करने और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में हालिया जीत पर खुशी मनाने के। बंगाल में अगला विधानसभा चुनाव अप्रैलध मई 2026 में होना है। भाजपा को कुछ समझ नहीं आ रहा है। उसके पास 2026 के चुनावों में आक्रामक टीएमसी से लड़ने का कोई रोडमैप नहीं है। सीपीआई(एम) के बारे में, जिसके पास अभी भी वामपंथी दलों के बीच संगठन का कुछ सादृश्य बचा हुआ है, स्थिति हर साल खराब होती जा रही है। मतदान प्रतिशत कम हो रहा है और नेतृत्व जिस तरह की बात कर रहा है, उसमें कोई बदलाव की संभावना नहीं है। पार्टी कांग्रेस की पूर्व संध्या पर राज्य माकपा सम्मेलन फरवरी 2025 में होने वाला है। पार्टी में और अधिक युवा लोगों को लाने की योजना है, लेकिन अब तक के नतीजे निराशाजनक हैं। हाल के वर्षों में शामिल हुए माकपा के कुछ युवा सदस्य शहर केंद्रित हैं और आंदोलन में भाग लेने के बजाय सोशल मीडिया के माध्यम से टीएमसी के खिलाफ अपनी लड़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। पार्टी अल्पसंख्यक जनता के साथ–साथ महिलाओं और उपेक्षित लोगों से भी कट गयी है, जो 1977 में वाम मोर्चे के सत्ता में आने के बाद पहले दो दशकों में पार्टी का प्राथमिक आधार था। पार्टी के पूरे राज्य में बड़े आधुनिक पार्टी कार्यालय हैं, लेकिन बहुत कम पूर्णकालिक सदस्य हैं। यह आकलन करने का कोई ईमानदार प्रयास नहीं किया गया है कि टीएमसी कार्यकर्ताओं में व्याप्त भ्रष्टाचार के बावजूद कोई अन्य दल को सत्ता क्यों नहीं मिल रही, और मजदूरों सहित हाशिए पर पड़े लोग अभी भी ममता बनर्जी से क्यों चिपके हुए हैं। पार्टी का राज्य नेतृत्व दिशाहीन है। तृणमूल कांग्रेस की हालिया जीत से पता चलता है कि टीएमसी इंडिया ब्लॉक भागीदारों में एकमात्र पार्टी है जो हाल के वर्षों में सभी चुनावों में लगातार भाजपा को हरा रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में 37 सीटें हासिल कीं और लोकसभा में कांग्रेस के बाद भाजपा के खिलाफ चुनावी तौर पर बड़ी ताकत बनकर उभरी। इस बार हुए उपचुनावों में सपा को दो सीटें भी गंवानी पड़ीं। लेकिन 2011 के विधानसभा चुनाव के बाद से टीएमसी का रिकॉर्ड बेदाग है। इस तरह ममता भाजपा के खिलाफ एक बड़ी लड़ाकू के तौर पर इंडिया ब्लॉक के सहयोगियों के बीच मजबूत होकर उभरी हैं। यह बहुत संभव है कि कांग्रेस आने वाले महीनों में पार्टी हाईकमान टीएमसी के साथ और अधिक समन्वय करेगा और 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और टीएमसी का गठबंधन हो सकता है। उत्तर बंगाल के चार जिलों में कांग्रेस का कुछ प्रभाव है। टीएमसी और कांग्रेस मिलकर 2026 के चुनावों में उत्तर बंगाल में भाजपा की विधानसभा सीटों को कम करने की स्थिति में हैं। उत्तर बंगाल राज्य में भाजपा का गढ़ है। टीएमसी नेतृत्व का सकारात्मक पक्ष यह है कि शीर्ष नेता खासकर ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी किसी भी उलटफेर के बाद कमजोरियों की पहचान करते हैं और सुधारात्मक कार्रवाई करते हैं। संगठनात्मक स्तर पर एक सक्रिय मशीनरी है जिसे सलाहकार आई–पैक द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। पार्टी ने पहले ही 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की पहचान करने और जमीनी स्तर से मूल्यांकन के आधार पर पार्टी अभियान में किन कार्यक्रमों पर अधिक ध्यान देना चाहिए, इसके लिए बुनियादी काम शुरू कर दिया है। इस दृष्टिकोण ने टीएमसी को चुनावी तैयारियों में उसके आकलन ने भाजपा और माकपा जैसे अन्य विपक्षी दलों से काफी आगे रहने में मदद की है। राज्य की माकपा आखिरकार 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति तैयार करने में मदद के लिए बाहर से सलाहकारों की भर्ती करना चाह रही है। माकपा और वामपंथियों के पास ऐसा कोई चेहरा नहीं है जो ममता बनर्जी की स्वीकार्यता के आसपास भी आ सके।

शाहरुख खान के व्यक्तित्व से इम्प्रेस हैं तापसी पन्नू

एक्ट्रेस तापसी पन्नू बॉलीवुड की एक जानी मानी एक्ट्रेस हैं, जो अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने राजकुमार हिरानी की 2023 निर्देशित फिल्म 'डंकी को चुने जाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह कभी–कभी ऐसी फिल्मों में काम करना पसंद करती हैं, जिसमें फिल्म के रिलीज होने का दबाव उनपर नहीं होता। तापसी पन्नू ने बीती रात एक कार्यक्रम में कहा, ''हर कोई कहता है कि लोग आपके पास ऐसी फिल्में लेकर नहीं आना चाहते जिनमें बड़े हीरो हों क्योंकि उन्हें लगता है कि आप ऐसी फिल्मों में काम नहीं करेंगी। लेकिन कभी–कभी मैं ऐसी फिल्मों में काम करना पसंद करती हूं जिसमें मुझ पर ज्यादा दबाव न हो और जहां मैं यह जानती हूं कि मैं केवल अपना काम करूंगी। हालांकि यह कोई बेवकूफी भरा किरदार नहीं होगा, लेकिन मुझ पर मुख्य भूमिका निभाने का भी दबाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने फिल्म 'डंकी में काम किया था तो रिलीज के समय वो काफी सहज महसूस कर रही थीं। इसमें राजकुमार हिरानी थे, शाहरुख खान थे इसलिए उन्होंने सोचा कि सभी बड़े लोग हैं तो उनपर ज्यादा दबाव नहीं है...। फिल्म 'डंकी और खान के साथ काम करने के अपने अनुभव को शेयर करते हुए तापसी ने कहा कि मैं उनकी बहुत तारीफ करती हूं। उन्होंने कहा, ''ऐसे बहुत कम लोग हैं जिनकी पर्दे पर और पर्दे के पीछे भी उपस्थिति स्टार जैसी ही होती है। पन्नू ने कहा, ''आप पर्दे पर मौजूद लोगों से बहुत सी चीजें सीख सकते हैं, लेकिन मैंने सबसे पहले शाहरुख खान से यह सीखा था कि वह बहुत पढ़े–लिखे हैं,

> "तापसी पन्नू ने बीती रात एक कार्यक्रम में कहा, ''हर कोई कहता है कि लोग आपके पास ऐसी फिल्में लेकर नहीं आना चाहते जिनमें बड़े हीरो हों क्योंकि उन्हें लगता है कि आप ऐसी फिल्मों में काम नहीं करेंगी। लेकिन कभी–कभी मैं ऐसी फिल्मों में काम करना पसंद करती हूं जिसमें मुझ पर ज्यादा दबाव न हो और जहां मैं यह जानती हूं कि मैं केवल अपना काम करूंगी।

उनके पास ज्ञान है और वह किसी भी विषय पर गहराई से बात कर सकते हैं। मैं फिल्म जगत के अभी तक जितने भी लोगों से मिली हूं उसमें खान का व्यक्तित्व सबसे ज्यादा अच्छा है इसलिए मुझे लगता है कि उनके साथ काम करना मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल संग कैमरे में कैद हुई उर्वशी रौतेला

फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्री उर्वशी रौतेला का सोशल मीडिया अकाउंट उनकी एक से बढ़कर एक तस्वीरों से गुलजार है। अभिनेत्री ने ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल के साथ ताजा तस्वीरें शेयर की हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर रितेश अग्रवाल के साथ ताजा तस्वीरें शेयर कर उर्वशी रौतेला ने कैप्शन में लिखा "इंडिया ग्लोबल फोरम अफ्रीका 2024 के लिए शुभकामनाएं रितेश अग्रवाल।" इसके साथ ही उन्होंने हैशटैग के साथ प्यार, उर्वशी रौतेला, टॉलीवुड, हॉलीवुड, बॉलीवुड, 2024 भी लिखा। तस्वीरों में उर्वशी अपने ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रही हैं। आसमानी को–ऑर्ड में 'हेट स्टोरी' अभिनेत्री ने अपने लुक को और भी स्टाइलिश बनाने के लिए काले रंग का चश्मा पहना। वहीं, रितेश कैजुअल आउटफिट में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही उर्वशी रौतेला ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर भी कई तस्वीरें शेयर कीं। इसमें से एक में वह अपनी मां के साथ नजर आ रही हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में अभिनेत्री मां और भाई के साथ एक मंदिर में पूजा करती नजर आ रही हैं। बता दें कि 25 नवंबर से इंडिया ग्लोबल फोरम के प्रमुख मध्य पूर्व और अफ्रीका 2024 का कार्यक्रम दुबई में आयोजित है। इंडिया ग्लोबल फोरम अफ्रीका 2024 में राजनेताओं के साथ कारोबारी हस्तियों के साथ ही कई मशहूर हस्तियां भी शामिल होंगी। इस बीच उर्वशी रौतेला के वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी ने हिंदी फिल्मों में सिंह साब द ग्रेट से डेब्यू किया था, जिसमें उनके साथ लीड रोल में सनी देओल थे। इसके बाद रौतेला ने यो यो हनी सिंह के अलबम वीडियो लव डोज में नजर आई थीं। उर्वशी हिंदी फिल्मों के साथ ही साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी एक्टिव हैं। उर्वशी रौतेला के अन्य फिल्मों में ग्रेट ग्रैंड मस्ती, सनम रे, पागलपंती, हेट स्टोरी 4 में भी काम कर चुकी हैं। उर्वशी रौतेला ने ऋतिक रोशन और यामी गौतम स्टारर काबिल में सारा जमाना हसीनों का दिवाना पर डांस किया था।

एनिमल और संजू को मिली आलोचनाओं पर रणबीर कपूर ने तोड़ी चुप्पी, कहा-मैं एक एक्टर हूं और मेरे लिए यह जरूरी..

पिछले साल रिलीज हुई रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल ने सिनेमाघरों में जबरदस्त कमाई की थी। हिट होने के बावजूद भी उनकी इस फिल्म को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, जिस पर हाल ही में रणबीर ने प्रतिक्रिया दी है और कहा कि कलाकारों को अपने द्वारा चुनी गई फिल्मों की कहानी के प्रति जिम्मेदार होना चाहिए, हालांकि उन्हें अलग–अलग तरह के किरदार निभाने चाहिए। राज कपूर की 100वीं जयंती के अवसर पर भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में निर्देशक राहुल रवैल के साथ बातचीत में रणबीर से 'एनिमल और 'संजू जैसी फिल्मों के माध्यम से कथित तौर पर हिंसा का महिमामंडन करने संबंधी सवाल किया। इस सवाल पर एक्टर ने कहा कि वह इस राय से सहमत हैं कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम दर्शकों के समक्ष ऐसी फिल्में लेकर आएं जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाए। राज कपूर के पोते रणबीर ने कहा, ''लेकिन मैं एक एक्टर हूं और मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि मैं अलग–अलग अंदाज और किरदार में हाथ आजमाऊं। लेकिन आप जो कह रहे हैं वह बिल्कुल सही है। हमें अपनी बनाई गई फिल्मों के प्रति अधिक जिम्मेदार होना चाहिए। संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित फिल्म 'एनिमल को महिलाओं के खराब चित्रण, महिलाओं के प्रति द्वेष और हिंसा के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बावजूद यह 2023 की सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में से एक थी। फिल्म 'संजू अभिनेता संजय दत्त की जीवन पर आधारित फिल्म थी। राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणबीर ने दत्त की भूमिका निभाई थी और इसमें अभिनेता के शराब और मादक पदार्थ की लत, उनके कथित प्रेम संबंधों और एक आतंकी मामले में उनकी सजा के बारे में विस्तार से बताया गया था। कई आलोचकों ने इस फिल्म को 'भ्रामक कहा था तो कुछ ने संजय दत्त की छवि निखारने के लिए फिल्म में तथ्यों को बदलने का भी आरोप लगाया।

वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन का गाना नैन मटक्का रिलीज, कीर्ति सुरेश के साथ दिखी शानदार केमिस्ट्री

एक्टर वरुण धवन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बेबी जॉन को लेकर सुर्खियों में है, जिसका फैंस को बेसबरी से इंतजार है। इसी बीच फैंस की एक्साइटमेंट को कम करते हुए हाल ही में मेकर्स ने इस मूवी का नया गाना नैन मटक्का रिलीज कर दिया है, जो इंटरनेट पर खूब धूम मचा रहा है। वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस ट्रैक को शेयर किया है और गाने का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, एक वाइब बहुत अच्छा, यह आपको डांस करने पर मजबूर कर देगा, बेबी! यह ट्रैक वरुण और कीर्ति सुरेश के बीच शानदार केमिस्ट्री और दिलजीत और धीक्षिता वेंकदेशन उर्फ घ्घी की मजेदार आवाज का परफेक्ट मिश्रण है। नैन मटक्का गाने को पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने गाया है। बता दें, हाल ही में बेबी जॉन फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। टीजर में वरुण एक पुलिस अधिकारी और एकल पिता की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। वह एक ऐसे चरित्र को चित्रित करते हैं जो विरोधियों का डटकर मुकाबला करने से नहीं डरता। एक दृश्य में, वह घोषणा करते हैं, मेरे जैसे बोहत आये होंगे, लेकिन मैं पहली बार आया हूं। टीजर में कीर्ति सुरेश को मुख्य महिला के रूप में पेश किया गया है और एक्टर जैकी श्रॉफ को प्रतिपक्षी के रूप में एक संक्षिप्त लेकिन प्रभावशाली भूमिका में दिखाया गया है। वामीका गब्बी और राजपाल यादव जैसे प्रतिष्ठित कलाकार भी फिल्म बेबी जॉन के मुख्य भूमिकाओं में शामिल हैं।मुराद खेतानी, प्रिया एटली और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित और कलीज निर्देशित यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होगी।

अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने अपनी भारतीय शादी की तस्वीरें शेयर कीं, सब्यसाची के आउटफिट में दिखा कपल

शादी के मौसम में, फिल्म इंडस्ट्री के एक नए जोड़े ने फिर से शादी कर ली। जी हां, अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने 400 साल पुराने मंदिर में एक अंतरंग शादी के बाद राजस्थान के एक किले में एक भव्य और भव्य शादी की। अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने अपनी दूसरी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। अपनी दक्षिण भारतीय शादी की तरह, अदिति ने अपनी दूसरी शादी के लिए भी सब्यसाची का लहंगा चुना। लाल रंग के आउटफिट में वह दुल्हन की तरह दिख रही थीं।

इस जोड़े ने सितंबर में दक्षिण भारतीय शादी की थी सिद्धार्थ और अदिति राव हैदरी ने 16 सितंबर की सुबह तेलंगाना में एक छोटे से समारोह में शादी की। जोड़े ने अपनी साधारण दक्षिण भारतीय शादी के लिए श्री रंगनायकस्वामी मंदिर को चुना। शादी समारोह के दौरान उनके करीबी दोस्त और परिवार के लोग मौजूद थे।

अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ की प्रेम कहानी

2021 की तेलुगु फ़िल्म महा समुद्रम में अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ की पहली मुलाक़ात हुई थी। सूत्रों का दावा है कि फ़िल्मांकन के दौरान दोनों अच्छे दोस्त बन गए और इस एक्शन से भरपूर प्रेम नाटक में उनकी ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री असल ज़िंदगी में भी बनी रही। समय के साथ, वे अविभाज्य हो गए, अक्सर सार्वजनिक रूप से एक साथ दिखाई देते और एक–दूसरे को ''साथी'' कहते। दर्शकों ने उनकी स्पष्ट केमिस्ट्री के कारण पर्दे के पीछे चल रहे असल ज़िंदगी के रोमांस के बारे में तुरंत अनुमान लगा लिया। मीडिया स्रोतों ने तेज़ी से उनके रिश्ते की स्थिति के बारे में अफ़वाहें फैलाना शुरू कर दिया। दूसरी ओर, अदिति और सिद्धार्थ ने मार्च 2024 में अंगूठियों का आदान–प्रदान करने तक कभी भी सार्वजनिक रूप से अपने प्यार पर चर्चा नहीं की थी। अब जबकि वे कानूनी रूप से विवाहित हैं, यह जोड़ी अपने जीवन में एक नया अध्याय शुरू कर रही है।

टमाटर का ताजापन कभी न हो जाए कम, जानें स्टोरिंग के 8 एक्सपर्ट टिप्स!

टमाटर एक ऐसी सब्जी है जिसे घरों में हर रोज इस्तेमाल किया जाता है। सलाद, सूप, चटनी, करी, और अन्य कई व्यंजनों में टमाटर का उपयोग होता है। हालांकि, यह जल्दी खराब होने वाली चीज है और इसे सही तरीके से स्टोर न करने पर इसकी ताजगी कम हो जाती है। यदि आप चाहते हैं कि टमाटर लंबे समय तक ताजे रहें, तो नीचे लिखे 8 टिप्स को ध्यान में रखें। ये टिप्स न केवल आपके टमाटरों की ताजगी बनाए रखने में मदद करेंगे, बल्कि वे उनका स्वाद भी बेहतर बनाए रखेंगे।

सही टेम्परेचर पर रखे

टमाटर को फ्रिज में रखना आमतौर पर गलत समझा जाता है। यदि आप टमाटरों को फ्रिज में रखेंगे, तो उनका स्वाद और बनावट बिगड़ सकते हैं। टमाटर को हमेशा रूम टेम्परेचर पर रखें, लेकिन यह ध्यान रखें कि टेम्परेचर बहुत अधिक न हो। अगर मौसम गर्म है, तो आप उन्हें ठंडी और सूखी जगह पर रख सकते हैं। टमाटरों को ठंडे जगह पर रखने से उनकी ताजगी बनी रहती है, और वे जल्दी सड़ते नही है।

कागज की तौलिया में लपेटें

टमाटर को रखने के समय ज्यादा नमी से बचाना बहुत जरूरी है। टमाटरों को कागज की तौलिया में लपेटने से वे नमी को सोख लेते हैं, जिससे सड़ने और खराब होने के चांस कम हो जाते है। यह बहूत उपयोगी होता है जब आप टमाटरों को एक साथ रखते हैं, क्योंकि नमी से उन पर जल्दी फंगस लग सकती है। कागज की तौलिया ज्यादा नमी को सोख लेती है और चीजों को ताजा रखती है।

पके हुए और कच्चे टमाटरों को अलग रखें

जब आप टमाटर खरीदते हैं, तो ध्यान दें कि कुछ टमाटर पकने के लिए तैयार हो सकते हैं, जबकि कुछ कच्चे होते हैं। पके हुए और कच्चे टमाटरों को एक साथ रखने से उनका खराब होना जल्दी हो सकता है, क्योंकि पके हुए टमाटर कच्चे टमाटरों को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए, इन दोनों को अलग–अलग रखें, ताकि दोनों की ताजगी बनी रहे। पके हुए टमाटरों को जल्द से जल्द उपयोग करें, जबकि कच्चे टमाटरों को कमरे के तापमान पर रखें ताकि वह पक सकें।

टमाटरों को एक–दूसरे के ऊपर न रखें

कभी भी टमाटरों को एक–दूसरे के ऊपर न रखें। एक दूसरे पर दबाव डालने से टमाटर जल्दी दब सकते हैं और उनकी बाहरी सतह पर दरारें पड़ सकती हैं, जो खराब होने का कारण बन सकती हैं। टमाटरों को हमेशा सपाट और एक–दूसरे से थोड़ी दूरी पर रखें। यदि आप एक कंटेनर में टमाटर रख रहे हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि उनके ऊपर कोई भारी वस्तु न हो।

पत्तियां और टहनियां हटा दें

जब आप टमाटर लाते हैं, तो उनकी पत्तियांऔर टहनियां हटा दें। पत्तियाँ टमाटरों की नमी को अवशोषित कर सकती हैं और उनके सड़ने का कारण बन सकती हैं। इसलिए, टमाटरों को पत्तियां और टहनियां हटाकर स्टोर करें। इससे टमाटर ताजे रहते हैं और जल्दी खराब नहीं होते।

पानी से दूर रखें

टमाटर को पानी में भिगोने से बचें। पानी में भिगोने से टमाटर जल्दी सड़ सकते हैं और उनका स्वाद भी बिगड़ सकता है। हमेशा टमाटरों को सूखा रखें और सुनिश्चित करें कि उन पर कोई अतिरिक्त पानी न हो। जब आप टमाटरों को धोते हैं, तो उन्हें अच्छे से सुखा लें, ताकि पानी से उनका खराब होने का खतरा न हो।

चमकदार और बिना धब्बे वाले टमाटर चुनें

जब भी आप टमाटर खरीदने जाएं, तो कोशिश करें कि ताजे, चमकदार रंग के और बिना किसी धब्बे वाले टमाटर ही खरीदें। पुराने और खस्ता टमाटर जल्दी खराब हो जाते हैं। टमाटरों की त्वचा पर कोई भी निशान या धब्बे न हों, यह सुनिश्चित करें। यदि टमाटर पर किसी भी प्रकार का दाग या धब्बा दिखाई दे, तो वह खराब होने का संकेत हो सकता है, और ऐसे टमाटर को जल्द ही उपयोग कर लेना चाहिए। टमाटर को ताजगी बनाए रखने के लिए इन सरल लेकिन प्रभावी टिप्स का पालन करें। सही स्टोरिंग तकनीक के साथ आप अपने टमाटरों को लंबे समय तक ताजे रख सकते हैं और उनका स्वाद भी बनाए रख सकते हैं। इन टिप्स को अपनाकर आप न केवल टमाटरों की गुणवत्ता बढ़ा सकते हैं, बल्कि उनका पोषण भी बरकरार रख सकते हैं।

जल्द ही बनने जा रही है दुल्हन, तो अपने मेकअप किट में इन प्रोडकट्स को एड–ऑन करें

जीवन में शादी का दिन बेहद खास होता है। शादी का दिन जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर होता है, और हर दुल्हन अत्यधिक खर्च किए बिना सुंदर महसूस करने की हकदार है। हाई–एंड ब्राइडल मेकअप लुक हासिल करना महंगा नहीं है। सही बजट के अंदर बेहतरीन मेकअप प्रोड्क्टस होना जरुरी है। लंबे समय चलने वाले ये मेकअप उत्पाद बड़े–बेड ब्रांड को टक्कर देते हैं। फाउंडेशन से लेकर भारी मस्कारा और चमकते हाइलाइटर्स तक, ये किफायती विकल्प आपको मिल जाएंगे। आइए आपको इन बारे में बताते हैं।

जीरो ब्लेंड वेटलेस फाउंडेशन

कम बजट वाले मेकअप उत्पाद की तलाश में हैं, तो आपको बता दें कि, ड ैि का जोरो ब्लेंड फाउंडेशन ज्यादा महंगा नहीं है। यह मैट फिनिश प्रदान करता है। इसका हल्का, हाइड्रेटिंग फॉर्मूला आसानी से चेहरे पर फुल कवरेज देता है। इसे पूरे दिन लगा सकते है। चाहे आप नेचुरल या पूर्ण–कवरेज लुक पसंद करते हों, यह फाउंडेशन गर्मी और नमी में भी टिका रहता है, जिससे लंबे समय तक ताजगी बनी रहती है। हर भारतीय त्वचा टोन के अनुरूप इसे डिजाइन किया गया, यह ब्राइड के लिए एकदम सही विकल्प है। इसे आप ऑनलाइन या बाजार से भी खरीद सकते हैं।

मैट और सेट डुओ कॉम्पैक्ट

कम बजट में फ्लोलेस, कम चमक के साथ फिनिश वाला यह कॉम्पैक्ट दुल्हानों के लिए बेस्ट है। स्विस ब्यूटी मैट और सेट डुओ कॉम्पैक्ट बहुत जरूरी है। इस टू–इन–वन उत्पाद में स्मूथ, समान कवरेज के लिए एक कॉम्पैक्ट पाउडर और ब्राइटनिंग और टच–अप के लिए एक बेस्ट पाउडर है। हल्का और इजी ब्लेंड के साथ, यह एक सहज मैट फिनिश देता है, जो पूरे दिन बनी रहती है। यह प्रोडक्ट यात्रा के लिए बिल्कुल उपयुक्त, यह किफायती डुओ दुल्हन के मेकअप किट के लिए बेस्ट है।

बेक्ड हाइलाइटर

यह हाइलाइटर इनसाइट रिवोल्यूशनरी पैलेट ब्राइड के लिए काफी बढ़िया है। इसकी वेलवेट, सॉफ्ट बनावट सरलता से चेहरे पर फिनिश देती है। बस एक टच से ही स्किन को यह चमकदार बना देती है। यह काफी लंबे समय तक चलने वाला हाइलाइटर है। यह एकदम बजट–अनुकूल उत्पाद है।

होलोग्राफिक लिक्विड आईलाइनर

आजकल होलोग्राफिक आईलाइनर काफी ट्रेंड में है। इनको आप अपनी मेकअप किट में जरुर शामिल करें। यह आपकी आंखों को एक 3डी, मनोरम लुक देता है। बता दें कि, यह प्रोडक्ट वाटरप्रूफ है काफी लंबे समय तक चलता है। होलोग्राफिक लिक्विड आईलाइनर दुल्हन की सुंदरता को एक चमकदार फिनिश के साथ सामने लेकर आता है।

ग्लिटर पैलेट

Shryoan यूनाइटेड के ग्लिटर पैलेट के साथ अपनी आंखों का चमका सकते हैं! आंखों को आकर्षक लुक देने के लिए यह पैलेट आपका पसंदीदा बन जाएगा। क्योंकि यह प्रभावशाली, उच्च चमक वाले चमकदार टोन से भरा है। यह लंबे समय तक चलने वाला और लगाने में आसान है, जो इसे शादियों, पार्टियों और अन्य विशेष अवसरों को आकर्षक बनाने के लिए आदर्श बनाता है।

क्या आप भी पित्त की पथरी से परेशान हैं? जानें इसके खतरनाक संकेत और बचने के उपाय

पित्त की पथरी एक आम समस्या है, जो शरीर के विभिन्न अंगों में बन सकती है, और समय के साथ गंभीर समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। यह खासतौर पर पित्ताशय (गॉलब्लैडर) में बनती है और आमतौर पर पित्त में मौजूद तत्वों के जमा होने से बनती है। पित्त की पथरी का आकार रेत के दाने जितना छोटा हो सकता है या फिर गेंद जितना बड़ा भी हो सकता है। कुछ लोगों में एक पित्त की पथरी बनती है, जबकि दूसरों में कई पथरी एक साथ बन सकती हैं। इस बीमारी के शुरुआती लक्षणों को समझना और समय रहते उपचार करना महत्वपूर्ण है।

पित्त की थैली में पथरी के शुरुआती संकेत

दाहिने हिस्से में दर्द

पित्त की पथरी होने पर पेट के दाहिने हिस्से में हल्का से लेकर तेज दर्द महसूस हो सकता है। यह दर्द खाने के बाद बढ़ सकता है और कभी–कभी यह दर्द पीठ और कंधे तक फैल सकता है।

भारीपन और अपच

पित्त की पथरी पाचन क्रिया को प्रभावित कर सकती है, जिससे खाना खाने के बाद पेट में भारीपन, अपच, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इन लक्षणों को नजरअंदाज करना गंभीर हो सकता है, क्योंकि यह पित्त की पथरी की संभावना को बढ़ाता है।

मतली और उल्टी

पित्त की पथरी के कारण पित्त का निर्माण ठीक से नहीं हो पाता, जिससे पेट में सूजन और पित्त के प्रवाह में समस्या उत्पन्न होती है। इस वजह से तला–भुना या मसालेदार खाना खाने के बाद अक्सर मतली और उल्टी हो सकती है।

पेट में सूजन और गड़बड़ी

पित्त की पथरी की वजह से पेट में हल्की या गंभीर सूजन हो सकती है। इसके साथ गैस, भारीपन और पाचन संबंधी समस्याएं जैसे कब्ज और पेट दर्द भी हो सकती हैं। कई बार यह लक्षण खाना न पचने पर भी होते हैं।

पेशाब के रंग में बदलाव

गालब्लैडर की पथरी के कारण पेशाब का रंग पीला हो सकता है, और कभी–कभी खून भी आ सकता है। इसके अलावा, बार–बार पेशाब आना भी पित्त की पथरी के गंभीर लक्षण हो सकते हैं। इसके अलावा, पित्त की पथरी के कारण थकान, कमजोरी, पीठ और पेट के साइड्स में दर्द जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

कब जाएं डॉक्टर के पास?

अगर आपको उपरोक्त लक्षणों में से कोई भी महसूस हो, तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। पित्त की पथरी का सही समय पर इलाज करने से इसकी जटिलताओं से बचा जा सकता है। इसके अलावा, अगर आपको पीलिया जैसी समस्या हो तो पित्त की पथरी की जांच करवाना जरूरी है।

पित्त की पथरी से बचाव के उपाय

भरपूर पानी पिएं

पानी हमारे शरीर के लिए आवश्यक है, और यह पित्त की पथरी के निर्माण को रोकने में भी मदद कर सकता है। पानी पित्तियों को पतला रखने में मदद करता है, जिससे पित्त की गाढ़ी बनावट नहीं होती। अगर आप पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, तो पित्त में मौजूद घटक एकजुट होकर पथरी का रूप ले सकते हैं।

सामान्यतः एक दिन में 8–10 गिलास पानी पीने की सलाह दी जाती है, जिससे शरीर में सही हाइड्रेशन बनी रहे और पित्ताशय की समस्याओं से बचा जा सके।

तला–भुना और मसालेदार भोजन से बचें

तला–भुना और मसालेदार भोजन पाचन क्रिया को धीमा कर देता है और शरीर के भीतर अशुद्धि को बढ़ाता है। जब आप इन प्रकार के भोजन का अत्यधिक सेवन करते हैं, तो पित्ताशय में अतिरिक्त पित्त जमा होने लगता है, जिससे पथरी बनने का खतरा

बढ़ जाता है। इसके अलावा, यह आपके जिगर और आंतों पर दबाव डालकर पाचन समस्याओं का कारण बन सकता है। इसलिए तला–भुना और अत्यधिक मसालेदार भोजन से बचना महत्वपूर्ण है, ताकि शरीर का पाचन तंत्र सही तरीके से काम करता रहे।

खाना स्किप न करें

अगर आप नियमित रूप से भोजन नहीं करते हैं या खाना स्किप करते हैं, तो इसका सीधा असर पित्ताशय पर पड़ता है। खाना छोड़ने से पित्त का निर्माण अधिक होता है, जो बाद में पथरी में बदल सकता है। इससे पाचन प्रक्रिया असंतुलित हो जाती है और पेट में भारीपन, गैस, या अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, दिन में तीन मुख्य भोजन और दो स्नैक्स का सेवन करना चाहिए, ताकि पाचन तंत्र सही ढंग से काम करता रहे और पित्त की पथरी से बचाव हो सके।

वजन नियंत्रित रखें

अधिक वजन होना पित्त की पथरी बनने का एक बड़ा कारण हो सकता है। जब शरीर में अतिरिक्त वसा जमा होती है, तो यह पित्त में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ा सकती है, जिससे पित्त की पथरी का निर्माण हो सकता है। वजन बढ़ने से शरीर में हार्मोनल असंतुलन भी हो सकता है, जो पित्त की पथरी के निर्माण को बढ़ावा देता है। इसलिए वजन को नियंत्रित रखना बेहद जरूरी है, और इसके लिए नियमित व्यायाम और संतुलित आहार आवश्यक है।

फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ खाएं

फाइबर युक्त भोजन पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है और पित्त की पथरी के निर्माण को रोक सकता है। ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, और बीजों में उच्च मात्रा में फाइबर होता है, जो पित्त के प्रवाह को नियमित रखता है और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है। फाइबर शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है और पाचन को सही बनाए रखने के लिए जरूरी है। इसलिए, अपनी डाइट में इन खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए। इन उपायों का पालन करके आप पित्त की पथरी से बच सकते हैं और अपनी सेहत को बेहतर बनाए रख सकते हैं।

ड्राई स्किन होंगी छूमंतर, बस इस तरह से घर पर बनाएं एलोवेरा बॉडी लोशन

विंटर सीजन में ड्राई स्किन से हम सभी परेशान रहते है। कितना भी ध्यान रखे लें स्किन का फिर सूखी त्वचा हो जाती है। हवा में नमी इतनी कम होती है कि स्किन ड्राई होने लगती है। स्किन को सॉफ्ट और मुलायम बनाने के लिए आपको महंगे–महंगे प्रोडक्ट्स लेने की कोई जरुरत नहीं है। अपनी स्किन मुलायम और चिकनी बनाने के लिए आप घर पर ही बॉडी लोशन बना सकते हैं। आइए आपको बताते हैं बॉडी लोशन बनाने का तरीका।

बॉडी लोशन बनाने के लिए सामग्री

– 1 कप नारियल तेल
– 1 कप एलोवेरा पत्ती
– लैवेंडर ऑयल की कुछ बूंदें
– लोबान ऑयल की कुछ बूंदें

एलोवेरा बॉडी लोशन कैसे बनाएं

ड्राई स्किन से छुटकारा पाने के लिए एलोवेरा बॉडी लोशन तैयार करते हैं। सबसे पहले एलोवेरा को काटकर साफ करें। एलोवेरा के कांटों और छिलकों को भी निकाल लें। फिर इसको जेल को निकालें। इसे जेल को गंदगी को साफ करने के लिए इसे पानी में धो लें। इसके बाद टिशू पेपर से एक्सट्रा पानी को निकाल दें। अब जेल को अच्छे ब्लेंड कर लीजिए। जब लोशन में हल्की और मक्खन जैसी कंसिस्टेंसी आ जाए तो इसमें लैवेंडर और लोबान मिलाएं। इसके बाद अच्छे से मिक्स करके अपने पसंदीदा एयर टाइट कंटेनर में इसे पैक करें। बॉडी लोशन तैयार करते है। इसको आपको 15–20 दिन के लिए आराम से रख सकते हैं। नहाने के तुरंत बंद इस लोशन को लगाए ताकी बेस्ट रिजल्ट मिले।

संक्षिप्त

अमित शाह ने ग्रामीण बैंकिंग में सहकारिता की भावना को पुनर्जीवित करने का आह्वान किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय राज्य सहकारी बैंकों के महासंघ को प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को अधिक व्यवहार्य, पारदर्शी और आधुनिक बनाने को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। शाह ने राष्ट्रीय राज्य सहकारी बैंक महासंघ लिमिटेड (नेफ्सकॉब) के हीरक जयंती समारोह में कई स्थानों पर राज्य और जिला–स्तरीय सहकारी संस्थाओं में सहकारिता की भावना के कमजोर होने पर चिंता जताई। उन्होंने जोर देकर कहा, ''मेरा मानना घ्है कि यह चिंता का विषय है। हमें सहकार की भावना को मजबूत करने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि सच्चे सहकार का मतलब सामूहिक समृद्धि और समान लाभ साझा करना है। शाह ने कहा, ''नेफ्सकॉब का काम सिर्फ बैठकें आयोजित करना और आरबीआई तथा सरकार के साथ समस्याओं का समाधान करना नहीं है। इसका काम पैक्स को व्यवहार्य, पारदर्शी और आधुनिक बनाना है।'' सहकारी बैंकिंग सुधारों के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने पैक्स को मजबूत करने की वकालत की, जिनकी कुल संख्या 1.05 लाख है। हालांकि, इनमें से केवल 65,000 ही सक्रिय हैं। उन्होंने नैफस्कॉब से तकनीकी उन्नयन करने, युवाओं को जोड़ने और कम लागत वाली जमाराशियों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। शाह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में जिला सहकारी बैंकों की संख्या को मौजूदा 300 से 50 प्रतिशत तक बढ़ाना है। मंत्री ने नैफस्कॉब से पैक्स को नई प्रौद्योगिकियों के अनुकूल बनाने में मदद करने के लिए कार्यशालाएं आयोजित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद जिला सहकारी बैंक और गुजरात राज्य सहकारी बैंक जैसे सफल मॉडल का अध्ययन करना चाहिए।

रुपया शुरुआती कारोबार में 15 पैसे की गिरावट के साथ 83.44 प्रति डॉलर पर

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,157.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 15 पैसे की गिरावट के साथ 83.44 प्रति डॉलर पर आ गया। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि डॉलर सूचकांक और ब्रेंट क्रूड सूचकांक में गिरावट ने घरेलू मुद्रा का काफी हद तक समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.38 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 84.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 15 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी

डॉलर के मुकाबले 84.29 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 106. 84 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.10 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 72.74 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,157.70 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

ओला इलेक्ट्रिक 39,999 रुपये की कीमत वाले ई–स्कूटर के साथ वाणिज्यिक खंड में उतरी

नयी दिल्ली,एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक ने वाणिज्यिक खंड में उतरने की घोषणा की है। इसके साथ ही कंपनी ने 'गिग' कर्मियों को लक्षित करते हुए 39,999 रुपये की शुरुआती कीमत वाले 'गिग' स्कूटर की श्रृंखला पेश की। ऑनलाइन मंच के लिए काम करने वाले अस्थायी कर्मचारियों को 'गिग' कर्मचारी कहा जाता है। कंपनी ने शहरी यात्रियों के निजी इस्तेमाल के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर एस1 जेड भी पेश किया है। इसकी कीमत 59,999 रुपये है। 'गिग' श्रृंखला के दो संस्करण को 'गिग' कर्मचारियों की

जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। जिनकी शुरुआती कीमतें क्रमशः 39,999 रुपये और 49,999 रुपये (शोरूम कीमत) हैं। ओला इलेक्ट्रिक ने बयान में कहा, यह श्रृंखला बिजनेस–टू–बिजनेस (बी2बी) खरीद तथा किराये के लिए उपलब्ध होगी। यह 25 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति के साथ एक बार चार्ज करने पर 112 किलोमीटर की दूरी तय कर सकेगा। इसके साथ 1.5 किलोवाट प्रति घंटे की एक अलग से बैटरी भी आती है जिसे हटाया जा सकता है। ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भाविश अग्रवाल ने कहा, '' ओला 'गिग' और एस1 जेड स्कूटर की श्रृंखला को पेश करने के साथ हम ईवी स्वीकार्यता में और तेजी लाएंगे...'' एस1 जेड श्रृंखला के तहत कंपनी ने दो संस्करण 'एस1 जेड' और 'एस1 जेड+' पेश किए हैं, जिनकी शुरुआती कीमत क्रमशरू 59,999 रुपये और 64,999 रुपये है।

जसप्रीत बुमराह बने टेस्ट क्रिकेट के नंबर 1 गेंदबाज, यशस्वी जायसवाल को भी हुआ बड़ा फायदा

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को फायदा मिला है और पर्थ टेस्ट मैच में कुल 8 विकेट झटकने के बाद वह एक बार फिर टेस्ट के नंबर 1 गेंदबाज बन गए हैं। इसके साथ ही टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को भी बड़ा फायदा हुआ है।

आईसीसी ने अपनी ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है। इस रैंकिंग में स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को फायदा मिला है और पर्थ टेस्ट मैच में कुल 8 विकेट झटकने के बाद वह एक बार फिर टेस्ट के नंबर 1 गेंदबाज बन गए हैं। इसके साथ ही टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को भी बड़ा फायदा हुआ है। दरअसल, पर्थ टेस्ट में यशस्वी जायसवाल ने दूसरी पारी में 161 रनों की यादगार पारी खेली थी। जिसके बाद वह आईसीसी टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। यशस्वी जायसवाल को दो पायदान का फायदा मिला है और अब वह महज जो रूट से पीछे हैं। विराट कोहली ने भी पर्थ की दूसरी पारी में शतक ठोका था और जिसके बाद वह टेस्ट रैंकिंग में 9 पायदान की छलांग लगाकर 13वें नंबर पर काबिज हो गए हैं। जबकि केएल राहुल को भी पर्थ में ठोके गए पचासा का फायदा मिला है वह 13 पायदान की छलांग के साथ अब 49वें पायदान पर पहुंच गए हैं। वहीं ऋषभ पंत छठे नंबर पर बने हुए हैं और वहीं पहला टेस्ट नहीं खेल पाने वाले शुभमन गिल को रैंकिंग में एक पायदान का नुकसान हुआ है। गिल 17वें नंबर पर फिसल गए हैं। वहीं कप्तान रोहित शर्मा भी पहला टेस्ट मैच नहीं खेल पाए थे, उनको रैंकिंग में कोई नुकसान नहीं उठाना पड़ा है। रोहित 26वें पायदान पर बने हुए हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में बुमराह नंबर एक पर हैं। पर्थ टेस्ट की पहली पारी में पांच और दूसरी पारी में बुमराह ने तीन विकेट चटकाए थे। जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था। साउथ अफ्रीका के कगीसो रबाडा दूसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड तीसरे पायदान पर खिसक गए हैं। भारत के आर अश्विन को रैंकिंग में एक स्थान का फायदा मिला है और वह चौथे नंबर पर आ गए हैं, हालाकिं अश्विन प्रथ टेस्ट में नहीं खेले थे। रविंद्र जडेजा एक पायदान खिसकर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। पर्थ टेस्ट में कुल 5 विकेट चटकाने वाले मोहम्मद सिराज को भी रैंकिंग में तीन स्थान का फायदा मिला है और वह 25वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

इस बात को छिपाया नहीं जा सकता... बेन स्टोक्स ने बताई आईपीएल 2025 ऑक्शन से दूर रहने की सच्चाई

बेन स्टोक्स् ने कहा कि वह अपने क्रिकेट करियर के आखिरी चरण में हैं और इंग्लैंड के लिए खेलना उनकी प्राथमिकता है। हालांकि, स्टोक्स साउथ अफ्रीका में SA20 2025 में खेलते हुए नजर आएंगे जो 9 जनवरी से शुरू होगी। साथ ही स्टोक्स ने बीबीसी स्पोर्ट से बात करते हुए कहा कि, फिलहाल बहुत ज्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है। इस बात को छिपाया नहीं जा सकता है कि मैं अपने करियर के अंतिम चरण में हूं। मैं स्पष्ट रूप से जितना संभव हो सके उतना खेलना चाहता हूं। अपने शरीर का ख्याल रखना और जितना संभव हो सके खुद का ख्याल रखना उसके लिए अहम है। ये गेम्स को प्राथमिकता देने के बारे में है। जाहिर है कि मैं इस साल साउथ अफ्रीका में रहूंगा। ये आने वाले समय को लेकर है। देखना होता है कि आगे क्या है। ये मेरे लिए सही निर्णय लेने के बारे में है ताकि मैं अपने करियर को जहां तक संभव हो लंबा कर सकूं। मैं जब तक संभव हो इंग्लैंड की शर्ट को पहनना चाहता हूं। बता दें कि, स्टोक्स ने 2011 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। वह अब तक 207 टेस्ट, 114 और 43 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। वह टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं।

उन्होंने वनडे को भी अलविदा कह दिया था लेकिन वनडे वर्ल्ड कप 2023 के लिए अपना संन्यास वापस ले लिया था। 2019 से आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप खेल जा रही है। इंग्लैंड टीम एक बार भी फाइनल में नहीं पहुंची है। इंग्लैंड डब्ल्यूटीसी 2023–25 के मौजूदा चक्र में अभी छठे पायदान पर है। स्टोक्स का ये भी कहना है कि वह डब्ल्यूटीसी को लेकर थोड़ी उलझन में रहते हैं। स्टोक्स ने कहा कि, वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप थोड़ी उलझन भरी है। मैं इसे नहीं देखता। लंबे समय तक अगर आप वाकई अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं आपको मनाचाह परिणाम मिल रहा है तो आप खुद को फाइनल में और मिक्स में पाएंगे। मेरे और इस टीम के लिए ये मैच दर मैच सीरीज दर सीरीज आगे बढ़ने के बारे में है।

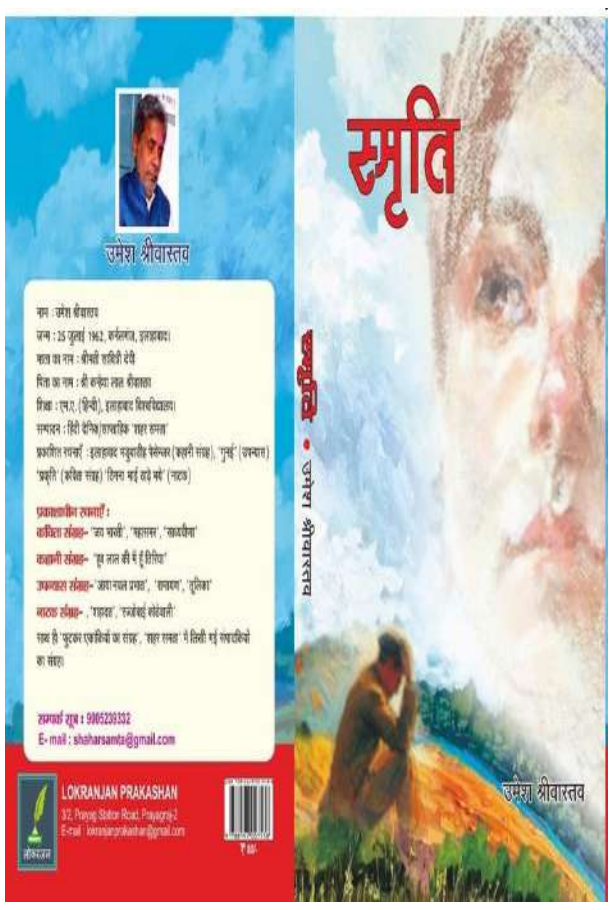

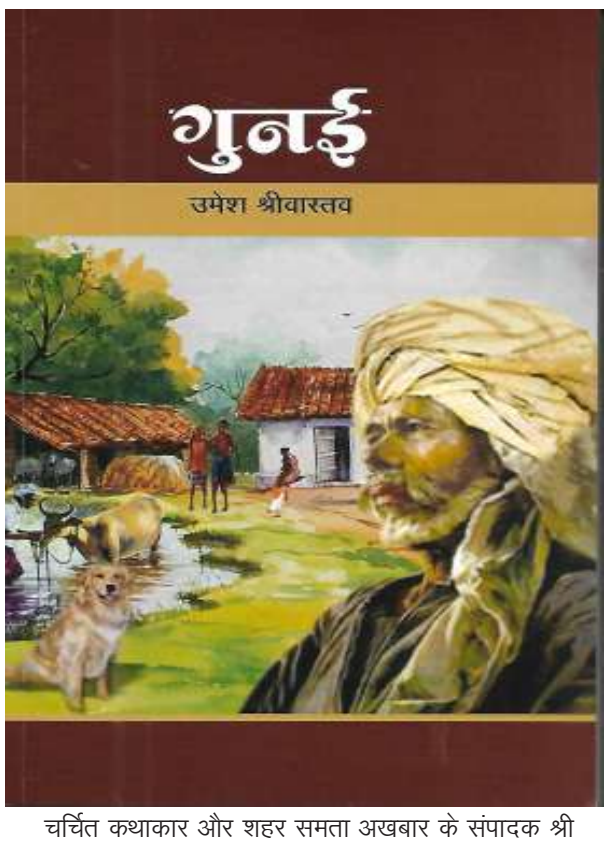

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

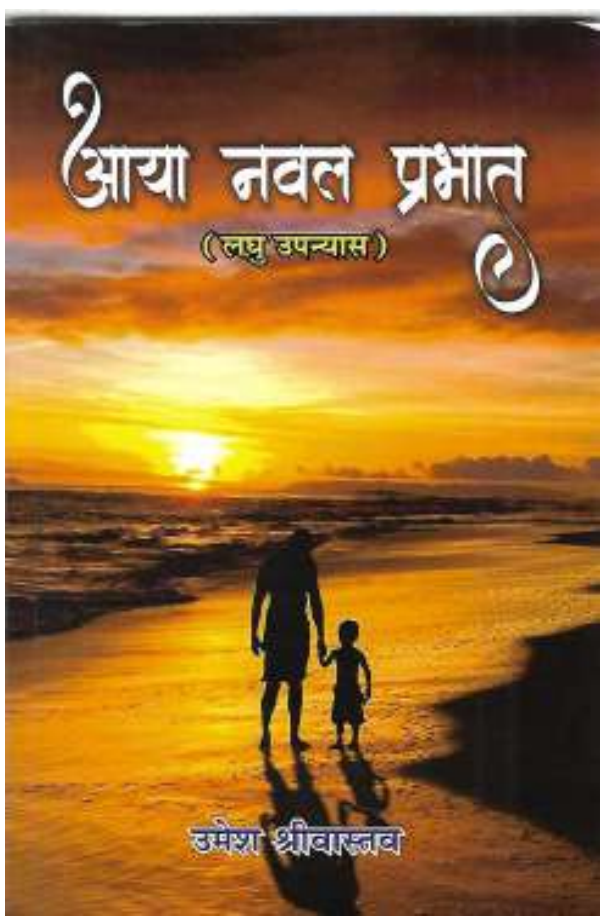

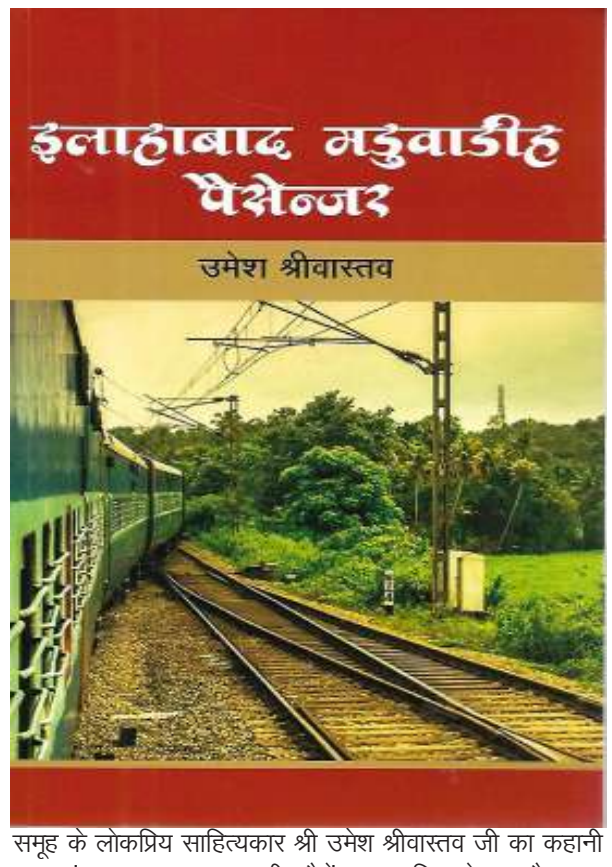

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

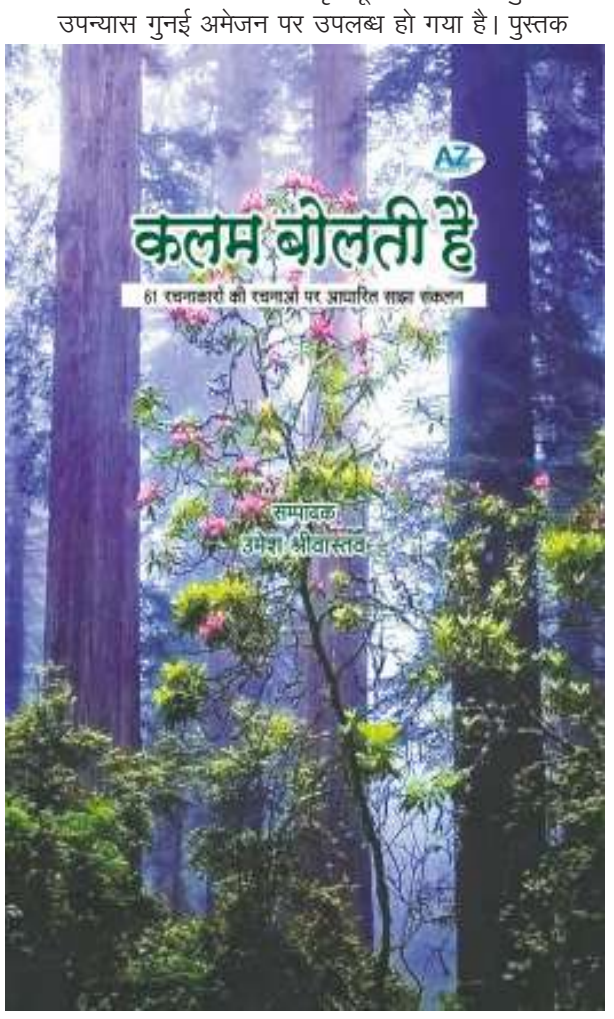

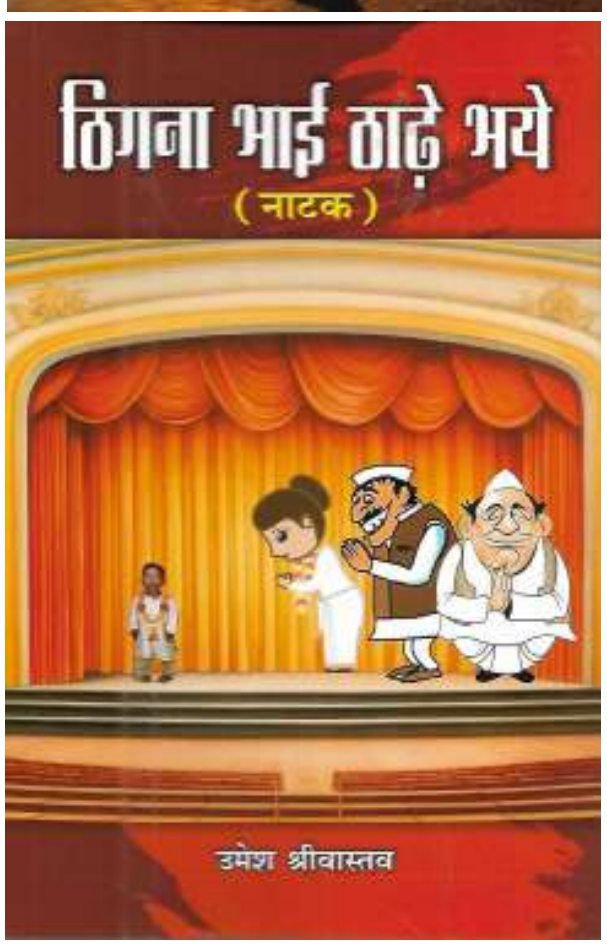

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कमला हैरिस ने लोकतंत्र और कानून के शासन के लिए लड़ते रहने का संकल्प जताया

वाशिंगटन । रिपब्लिकन पार्टी के प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप से राष्ट्रपति पद का चुनाव हारने के कुछ दिनों बाद, अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा है कि वह लोकतंत्र, कानून के शासन, समान न्याय और स्वतंत्रता के लिए लड़ाई जारी रखेंगी। हैरिस ने देश भर में अपने प्रमुख समर्थकों और धन

जुटाने वालों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसा भविष्य सुनिश्चित करने के लिए बहुत कुछ लड़ना है, जहां हर कोई अपने सपनों को पूरा कर सके और यह लड़ाई पांच नवंबर को समाप्त नहीं हुई है। ये समर्थक और धन जुटाने वाले उनके राष्ट्रपति पद के चुनाव अभियान का हिस्सा थे और मंगलवार को उनके एक आह्वान पर इकट्ठा हुए थे। राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव पांच नवंबर को हुआ था। ट्रंप राष्ट्रपति जो बाइडन का स्थान लेंगे, जबकि हैरिस का स्थान जे डी वांस लेंगे। हैरिस ने कहा, ''हम लड़ाई जारी रखेंगे। हमें ऐसे भविष्य के लिए बहुत संघर्ष करना है, जहां हर कोई अपने सपनों, अपनी महत्वाकांक्षाओं और अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सके। हम महिलाओं के अपने शरीर के बारे में निर्णय लेने के अधिकार के लिए लड़ाई जारी रखेंगे।'' उन्होंने कहा कि हम अपने लोकतंत्र, कानून के शासन और समान न्याय के लिए लड़ाई जारी रखेंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह ''अनिश्चितताओं से भरा'' समय है।

बांग्लादेश में इस्कॉन पर बैन लगाने की याचिका दायर, यूनुस सरकार ने बताया धार्मिक कट्टरपंथी संगठन

संगठन पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर उच्च न्यायालय में दायर एक रिट याचिका के जवाब में बांग्लादेशी सरकार ने बुधवार को इस्कॉन या इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस को एक ष्धार्मिक कट्टरपंथी संगठनष कहा। हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों द्वारा इस्कॉन और अन्य हिंदू मंदिरों को निशाना बनाए जाने पर पूरे बांग्लादेश में व्यापक विरोध प्रदर्शन के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है। बांग्लादेशी उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है जिसमें देश

में हिंदू समुदाय पर हमले तेज होने के कारण इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। याचिका में किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए चटगांव और रंगपुर में आपातकाल लगाने का निर्देश देने की भी मांग की गई है क्योंकि विरोध प्रदर्शनों ने शहरों को हिलाकर रख दिया है। कोर्ट ने इस मुद्दे पर सरकार से पहल की मांग की। प्रभु बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। उन्होंने धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा की मांग को लेकर कई विरोध प्रदर्शन भी आयोजित किए हैं। उन्हें 25 नवंबर को ढाका हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया और देशद्रोह के आरोप में जेल भेज दिया गया। चटगांव अदालत के बाहर विरोध प्रदर्शन हुआ जिसमें कथित तौर पर भीड़ ने एक वकील की हत्या कर दी।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में सत्ता परिवर्तन के अगले चरण के लिए बाइडन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किये

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में सत्ता परिवर्तन के अगले चरण के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ एक ज्ञापन समझौते पर हस्ताक्षर किये ताकि नया प्रशासन और उसके सदस्य पहले दिन से ही काम करने के लिए तैयार हों। अगली चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स ने यह जानकारी दी। विल्स ने मंगलवार को बताया कि अतीत के विपरीत, नयी टीम सरकारी इमारतों या जनरल सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन (जीएसए) द्वारा प्रदान की गई तकनीक का उपयोग नहीं करेगी और एक आत्मनिर्भर संगठन के रूप में काम करेगी। ट्रंप 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। विल्स ने बताया, "निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप अपने मंत्रिमंडल की चयन प्रक्रिया पूरी करने के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ एक ज्ञापन समझौते पर हस्ताक्षर कर सत्ता परिवर्तन के अगले चरण की शुरुआत कर रहे हैं।" उन्होंने बताया, "यह समझौता हमारे इच्छित मंत्रिमंडल के उम्मीदवारों को हर विभाग और एजेंसी में मजबूत टीमों की तैनाती सहित महत्वपूर्ण तैयारियां शुरू करने तथा सत्ता के व्यवस्थित परिवर्तन को पूरा करने की अनुमति देता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

इस्कॉन एक कट्टरपंथी संगठन है, इसे पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए, बांग्लादेशी सरकार ने अदालत से की यह मांग

बांग्लादेशी सरकार ने बुधवार को इस्कॉन या इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस को एक धार्मिक कट्टरपंथी संगठन कहा, जो संगठन पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय में दायर एक रिट याचिका के जवाब में था। यह घटनाक्रम हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों द्वारा इस्कॉन और अन्य हिंदू मंदिरों को निशाना बनाए जाने को लेकर पूरे बांग्लादेश में व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच हुआ है। बुधवार को एक वकील ने इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की। वकील ने अदालत का ध्यान इस बात की ओर भी दिलाया कि सहायक सरकारी अभियोजक सैफुल इस्लाम की सुरक्षा कर्मियों और हिंदू भिक्षु के अनुयायियों के बीच झड़प के दौरान मौत हो गई थी, जिसके बाद उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। सुनवाई के दौरान, अदालत ने अटॉर्नी जनरल से इस्कॉन के बारे में और बांग्लादेश में इसकी स्थापना कैसे हुई, इसके बारे में जानना चाहा। जवाब में, अटॉर्नी जनरल, मोहम्मद असदुज्जमां ने कहा कि यह संगठन कोई राजनीतिक दल नहीं है। अटॉर्नी जनरल ने कहा, यह एक धार्मिक कट्टरपंथी संगठन है। सरकार पहले से ही उनकी जांच कर रही है। उच्च न्यायालय ने अटॉर्नी जनरल को निर्देश दिया कि वे इस्कॉन पर सरकार की स्थिति और देश की समग्र कानून व्यवस्था की स्थिति पर गुरुवार सुबह तक रिपोर्ट दें। न्यायालय ने सरकार से कानून व्यवस्था की स्थिति को बिगड़ने से रोकने को कहा। याचिका पर प्रतिक्रिया देते हुए, इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधा रमन दास ने विश्व नेताओं से इस मुद्दे पर बोलने का आग्रह किया और उम्मीद जताई कि 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण के बाद स्थिति बेहतर हो जाएगी। दास ने इंडिया टुडे से कहा, स्थिति नियंत्रण से बाहर है। अब हमारे नियंत्रण में नहीं है। हम 20 जनवरी का इंतजार करेंगे जब डोनाल्ड ट्रम्प पदभार संभालेंगे। उम्मीद है कि तब चीजें आगे बढ़ेंगी। इस्कॉन नेता ने अटॉर्नी जनरल द्वारा कट्टरपंथी संगठन कहे जाने पर भी आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में बाढ़ के दौरान भी हमने बहुत से लोगों की सेवा की। हमसे पूछा गया कि हमने ऐसा क्यों किया, फिर भी हमने ऐसा किया। इस्कॉन ने दुनिया भर में आठ अरब लोगों को खाना खिलाया है। और हमें एक कट्टरपंथी आतंकवादी संगठन कहा जा रहा है?

हिंदू विरोध प्रदर्शन की वजह क्या है

चिन्मय दास, जो पहले इस्कॉन के सदस्य थे, को इस सप्ताह की शुरुआत में हिंदू समुदाय की एक रैली के दौरान राष्ट्रीय ध्वज का कथित रूप से अपमान करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तारी ने हिंदू समुदाय के लोगों में जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिसने 5 अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से 200 से अधिक हमलों का सामना किया है। बांग्लादेशी सरकार ने कहा है कि दास को किसी समुदाय के नेता के रूप में नहीं बल्कि देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश सम्मिलित सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता दास की गिरफ्तारी पर भारत की ओर से भी प्रतिक्रिया आई, जिसने इसे बेहद चिंताजनक बताया। विदेश मंत्रालय ने कहा, यह घटना बांग्लादेश में चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर कई हमलों के बाद हुई है।

जयशंकर ने हिंद-प्रशांत के लिए सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर, जी7 देशों को बताया साझेदार

रोम। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र को लेकर क्वाड की स्थापना और इसकी उन्नति को पूरी दुनिया के लिए एक अहम घटनाक्रम करार दिया है। उन्होंने कहा कि हिंद–प्रशांत इस वक्त बड़े बदलावों को अनुभव कर रहा है। इनमें नई साझेदारियां और साझा हितों का साथ आना शामिल है। इटली के फियुगी शहर में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक में आमंत्रित जयशंकर ने कहा, ऐसे समय, जब सहयोग बढ़ाने से जुड़ी कोशिशें जारीं हैं, तब हिंद–प्रशांत क्षेत्र को भी व्यवहारिक समाधान, तेज कूटनीति, बेहतर समायोजन और ज्यादा खुली बातचीत की जरूरत है। इस काम में जी7 एक अच्छा साझेदार हो सकता है। बता दें कि क्वाड समूह ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका का गठबंधन है। इसकी स्थापना हिंद–प्रशांत क्षेत्र की स्वतंत्रता और अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के मकसद से हुई थी। विदेश मंत्री इसी मुद्दे को लेकर जी7 के विदेश मंत्रियों की 24–26 नवंबर को होने वाली आधिकारिक बैठक में भारत की तरफ से बतौर अतिथि पहुंचे। जयशंकर ने इस सत्र के खत्म होने के बाद कहा, ष्क्वाड का विकास एक अहम घटनाक्रम रहा और हिंद–प्रशांत क्षेत्र का आज का परिदृश्य बड़े स्तर पर सहयोगात्मक दृष्टिकोण के पक्ष में तर्क पेश करता है। यह सहयोग नौसैन्य क्षेत्र के अलावा सेमीकंडक्टर, सप्लाई चेन व अन्य क्षेत्रों में हो सकता है। जयशंकर ने चीन का नाम लिए बिना उसकी बेल्ट एंड रोड परियोजना की तरफ इशारा करते हुए कहा कि हिंद प्रशांत में देशों का सहयोग ज्यादा संसाधन जुटाने, खराब कर्ज या अवहनीय कर्ज को रोकने और क्षेत्र में ज्यादा गतिविधि का समर्थन करने में अहम साबित हो सकता है। इसके अलावा शासन, स्वास्थ्य, तकनीक, आपदा और प्राकृतिक संसाधान के प्रबंधन में भी नई और अहम क्षमताएं पैदा की जा सकती हैं।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया भ्रष्टाचार के मामले में बरी, हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी की अध्यक्ष खालिदा जिया को बुधवार को हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार मामले में बरी कर दिया। पूर्व पीएम खालिदा जिया को 2018 में जिया चौरिटेबल ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में ढाका की एक अदालत ने दोषी ठहराया था। उन्हें सात साल की कैद की सजा सुनाई गई थी और एक मिलियन टका का जुर्माना भी लगाया गया था। बांग्लादेशी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस एकेएम असदुज्जमां और सैयद इनायत हुसैन की पीठ ने जिया की अपील के आधार पर ढाका की अदालत के फैसले को पलट दिया। मामले में दो अन्य आरोपियों को भी बरी कर दिया। साल 2011 में भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) ने पूर्व प्रधानमंत्री और जिया चौरिटेबल ट्रस्ट की खालिदा और तीन अन्य खालिदा के राजनीतिक सचिव जियाउल इस्लाम मुन्ना, असिस्टेंट प्राइवेट सेक्रेटरी (एपीएस) हैरिस और ढाका सिटी के मेयर सादिक के एपीएस मोनीरुल इस्लाम खान के खिलाफ तेजगांव पुलिस थाने में शक्तियों का दुरुपयोग करके ट्रस्ट के लिए अज्ञात स्रोतों से धन इकट्ठा करने का मामला दर्ज किया था। इससे पहले खालिदा जिया को अनाथालय ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में विशेष अदालत ने पांच साल की जेल की सजा सुनाई थी। इसके बाद आठ फरवरी 2018 को पुरानी ढाका सेंट्रल जेल में रखा गया था। 30 अक्टूबर 2018 को हाईकोर्ट ने उनकी सजा बढ़ाकर 10 साल कर दी थी। बाद में उन्हें जिया चौरिटेबल ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराया गया। उनको सात साल की सजा सुनाई गई थी।

कोविड के दौरान अस्थायी रूप से की गईं थी रिहा

कोविड के दौरान शेख हसीना सरकार ने 776 दिन बाद खालिदा जिया को अस्थायी रूप से जेल से रिहा कर दिया था। 25 मार्च 2020 को उनकी सजा को निलंबित कर दिया गया। इसमें शर्त रखी गई कि वह अपने गुलशन घर में रहेंगी और देश नहीं छोड़ेंगी। जिया पिछले पांच वर्षों से अपने घर में नजरबंद थीं और अगस्त में राष्ट्रीय की माफी के बाद वह अस्पताल से घर लौटीं। वह अपनी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद सभी आरोपों से बरी हो गईं। खालिदा जिया मार्च 1991 से मार्च 1996 और फिर जून 2001 से अक्तूबर 2006 तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं।

देखते ही गोली मारने के आदेश के बाद डरे इमरान समर्थक, इस्लामाबाद में किया प्रदर्शन खत्म करने का एलान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में चल रहे मौत और हिंसा के खेल पर अब विराम लग जाएगा। पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने विरोध–प्रदर्शन समाप्त कर दिया है। दरअसल, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों का हौसला उस समय चकनाचूर हो गया, जब सुरक्षा बलों ने आधी रात को बड़ी कार्रवाई की। जवानों ने इस्लामाबाद में एकत्र हुए उनके हजारों पीटीआई समर्थकों को तितर–बितर करने के लिए अभियान शुरू किया। कार्रवाई के चलते समर्थकों को डी–चौक और राजधानी के आसपास के जिले को खाली करने पर मजबूर होना पड़ा। साथ ही बताया जा रहा कि आधी रात को हुई कार्रवाई में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक घायल हुए हैं। पीटीआई समर्थक इस्लामाबाद में सड़कों पर उतरे थे और डी–चौक तक मार्च करना चाहते थे। यह विरोध–प्रदर्शन 24 नवंबर से चल रहा था। प्रदर्शनकारियों ने पहले बैरिकेड तोड़ दिए थे और उच्च सुरक्षा वाले रेड जोन में प्रवेश किया था, जिससे आंसू गैस, गोलियों और सामूहिक गिरफ्तारियों से जुड़े अधिकारियों के साथ झड़पें हुईं। मंगलवार रात की गई कार्रवाई को पार्टी ने श्फासीवादी सैन्य शासनश के तहत नरसंहार बताया। प्रदर्शन समाप्त करने के बाद पार्टी की तरफ से कहा गया कि आगे की कार्रवाई का एलान इमरान के मार्गदर्शन पर किया जाएगा। पुलिस सूत्रों ने कहा कि लगभग 450 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया था। अभी और गिरफ्तारियों की उम्मीद है। जबकि खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने कहा कि यह सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर हिंसक हमला था, जिसमें उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को मारने के इरादे से गोलियां चलाईं। इससे पहले मंगलवार शाम को पीटीआई समर्थक कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ भिड़ गए और डी–चौक पर धरने पर बैठने में सफल रहे। पुलिस के साथ समर्थकों की झड़प में छह सुरक्षाकर्मी मारे गए और दर्जनों घायल हो गए।

इमरान खान ने जेल से संदेश में समर्थकों से 'आखिरी गेंद तक लड़ने और पीछे नहीं हटने' को कहा

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार शाम को इस्लामाबाद में डेरा डाले अपने समर्थकों से कहा कि वे ''आखिरी गेंद तक लड़ें और पीछे न हटें।'' रावलपिंडी की अडियाला जेल में अगस्त 2023 से कई मामलों में कैद इमरान खान ने अपने संदेश में कहा, ''मैं पाकिस्तान के लोगों और पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ताओं को सलाम करता हूं जो अपने अधिकारों के लिए खड़े हैं, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में हिस्सा ले रहे हैं और सच्ची आजादी और इंसाफ की मांग के लिए हमारे देश पर थोपे गए माफिया का साहसपूर्वक मुकाबला कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मेरी टीम के लिए, मेरा संदेश स्पष्ट हैरू आखिरी गेंद तक लड़ें। हम तब तक पीछे नहीं हटेंगे जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं।'' शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करेंगे और तब तक नहीं हटेंगे जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान (72) ने संदेश में कहा कि जो लोग अब तक विरोध मार्च में शामिल नहीं हुए हैं, वे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के लिए इस्लामाबाद के डी–चौक पहुंचे। उन्होंने उनसे मांगें पूरी होने तक वहां से न जाने का आग्रह किया है।

नेतन्याहू ने हिज्बुल्ला से संघर्ष विराम के प्रस्ताव को मंजूरी देने की सिफारिश मंत्रिमंडल से की

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की है कि वह हिजबुल्ला के साथ संघर्ष विराम के एक प्रस्ताव को मंजूरी के लिए अपने मंत्रिमंडल के पास भेजेंगे, जिससे लगभग 14 महीने से जारी लड़ाई के अंत का मंच तैयार हो जाएगा। नेतन्याहू ने कहा कि प्रस्ताव पर मतदान मंगलवार देर शाम को होने की उम्मीद है। यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि युद्धविराम कब प्रभावी होगा और समझौते की सटीक शर्तें के बारे में भी जानकारी नहीं दी गई है। इस समझौते से गाजा में हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध पर कोई असर नहीं पड़ेगा, जिसके खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं।

इजराइल और हिज्बुल्ला ने संघर्ष विराम पर सहमति जताई

इजराइल ने लेबनान के हिज्बुल्ला के साथ अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्ष विराम समझौते को मंजूरी दे दी है, जिससे गाजा पट्टी में लगभग 14 महीने की लड़ाई समाप्त हो जाएगी। इजराइल और हिज्बुल्ला के बीच मंगलवार को संघर्ष विराम को लेकर सहमति बनी, जो सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमास के हमले से उत्पन्न क्षेत्रव्यापी अशांति को समाप्त करने की दिशा में पहला बड़ा कदम होगा। लेकिन इसका गाजा में विनाशकारी संघर्ष से संबंध नहीं है, जहां हमास अब भी कई लोगों को बंदी बनाए हुए है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा पेश संघर्ष विराम प्रस्ताव को देश के सुरक्षा मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस समझौते को ''अच्छी खबर'' बताया है और कहा कि उनका प्रशासन गाजा में संघर्ष विराम के लिए नए सिरे से प्रयास करेगा। नेतन्याहू ने टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन के बाद कैबिनेट मंत्रियों के सामने संघर्ष विराम प्रस्ताव पेश किया, जिसमें उन्होंने पूरे क्षेत्र में इजराइल के दुश्मनों के खिलाफ कार्रवाई में देश की उपलब्धियों का जिक्र किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।